सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHI/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 41, नई दिल्ली । मंगलवार, 23 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने छोटे-छोटे कामों में भी अपने दिल ,दिमाग और आत्मा को लगा दीजिए, यही सफलता का रहस्य है ।

03 मतदाता सूची में इस तरह शामिल कराएं अपना नाम...
06 ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बढ़ने का परिदृश्य
08 केन्द्र सरकार के हॉस्पिटल में अब होगी डॉक्टर की कमी

ड्राइविंग लाइसेंस में होगा बड़ा बदलाव? CJI चंद्रचूड़ की बेंच में आया ये सवाल, केंद्र ने तुरंत दिया जवाब

संजय बाटला

नई दिल्ली । दरअसल, केंद्र के नोट में यह संकेत दिया गया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा किए गए परामर्श में मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में संशोधन के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और आम चुनाव के बाद नवगठित संसद के समक्ष इन्हें रखा जाएगा. क्या हल्के मोटर वाहन (LMV) के लिए ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाला व्यक्ति 7,500 किलोग्राम तक के वजन वाले ऐसे परिवहन वाहन को चला सकता है, जिस पर कोई सामान नहीं लदा हो. सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की बेंच के समक्ष मंगलवार को यह मामला सामने आया. सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने एक नोट प्रस्तुत किया, जिसके बाद मामले को स्थगित कर दिया. अब इस केस की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी. दरअसल, इस नोट में यह संकेत दिया गया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा किए गए परामर्श में मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में संशोधन के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और आम चुनाव के बाद नवगठित संसद के समक्ष इन्हें रखा जाएगा. पीठ ने कहा, ''मंत्रालय ने अपने 15 अप्रैल, 2024 के पत्र के माध्यम से कानून में प्रस्तावित संशोधन का ब्योरा रिकॉर्ड पर रखा है.'' पीठ में न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल रहे. संविधान पीठ ने कहा था कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का रुख जानना आवश्यक होगा, क्योंकि यह तर्क दिया गया था कि मुकुंद देवांगन बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के मामले में शीर्ष अदालत के 2017 के फैसले को केंद्र ने स्वीकार कर लिया था और नियमों में संशोधन किया गया था. मुकुंद देवांगन मामले में, शीर्ष अदालत की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने माना था कि परिवहन वाहन, जिसका कुल वजन 7,500 किलोग्राम से अधिक नहीं है, को एलएमवी (हल्के मोटर वाहन) की परिभाषा से बाहर नहीं रखा गया है।

दिल्ली परिवहन आयुक्त ने आटो में जीपीएस नेविगेशन ट्रैकिंग की आवश्यकता को सिरे से नकारा, जाने

परिवहन विशेष न्यूज

दिनांक 22/04/2024 को दिल्ली परिवहन आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, सहित कई आला अधिकारियों के साथ दिल्ली के लगभग 2 दर्जन ऑटो रिक्शा यूनियनो एसोसिएशनों के पदाधिकारियों के साथ एक सांझा बैठक हुई जोकि आंटो में सीम और डिम्ट्स नहीं लगाने के संबंध में था। सभी युनियनो के पदाधिकारियों ने एक स्वर में आंटो में सीम व डिम्ट्स नहीं लगाने का आग्रह किया और कमिनश्नर साहब ने युनियनो की मांग को मान लिया और कहा कि आंटो मे सीम व डिम्ट्स की कोई आवश्यकता नहीं,आंटो मे सीम व डिम्ट्स नहीं लगेगा, हालांकि सीम व डिम्ट्स कंपनी के अधिकारीयों ने आंटो चालकों को बदनाम करने की बहुत कोशिश की, कि आंटो वाले मीटर से नहीं चलते, सवारियों से मुंह मांगा पैसे मांगते हैं इसलिए आंटो मे सीम व डिम्ट्स लगना चाहिए, जिसका भी विरोध करते हुए युनियनो ने कहा कि ये मामला दिल्ली परिवहन विभाग और आंटो चालकों के बीच का है आंटो चालकों को इस तरह बदनाम करके कंपनीयां लुट नहीं मचा सकती। आयुक्त साहब ने युनियनो की बात को मानते हुए,सीम व डिम्ट्स कंपनीयों के अधिकारीयों की आरोपो को सिरे से खारिज कर दिया।

इसके लिए सभी अधिकारियों एवं युनियनो के पदाधिकारियों को हार्दिक धन्यवाद देते हुए दिल्ली के समस्त ऑटो चालकों को हार्दिक बधाई देते है।

सुभाष कुमार, (महासचिव राष्ट्रवादी जन चेतना समिति।)

कुछ हवाई रूटों पर टिकटे उपल्ब्ध है मात्र 150 रुपए में

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली । हवाई जहाज से उड़ना आज भी करोड़ों भारतीयों का सपना है. मगर, महंगे टिकट के कारण कई लोग हवाई जहाज में सफर नहीं कर पाते हैं. हालांकि, आज हम आपको ऐसे हवाई रूट की जानकारी देने जा रहे हैं, जहां आप सिर्फ 150 रुपये मूल किराए में सफर कर सकते हैं. सुनकर आपको यकीन नहीं हो रहा होगा मगर, यही सच है. असम में लीलाबाड़ी से तेजपुर तक 50 मिनट की हवाई सेवा ले सकते हैं. चलिए जानते है रूट के बारे में- लीला बाड़ी से तेजपुर के बीच हवाई सफर असम की लीला बाड़ी से तेजपुर का हवाई सफर करने पर मूल किराए के रूप में सिर्फ 150 रुपए देना पड़ता है. दोनों शहरों के बीच का हवाई सफर केवल 50 मिनटों में तय कर सकते है. इसके अलावा ऐसी कई उड़ानें हैं, जहां टिकट का मूल किराया 1 हजार रुपए से भी कम है. ये सभी क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना के तहत संचालित होते हैं. 22 रूट पर 1 हजार रुपए से कम किराया ट्रैवल पोर्टल इक्सिगो की रिपोर्ट के अनुसार कम-से-कम 22 रूट हैं, जिन पर मूल हवाई किराया 1 हजार रुपए प्रति व्यक्ति से कम है. असम में लीलाबाड़ी और तेजपुर को जोड़ने वाली उड़ानों के लिए एक ओर का किराया सबसे कम 150 रुपए है. इस रूट पर उड़ानों का संचालन अलायंस एयर करती है. टिकट बुक करते समय मूल किराए में सुविधा शुल्क भी जोड़ दिया जाता है. अधिकतर रूट पर किराया 150-199 रुपए रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण में बेंगलुरु-सलेम, कोचीन-सलेम जैसे मार्ग हैं जहां मूल टिकट की कीमतें 1 हजार रुपए से कम हैं. एक अधिकारी ने बताया कि यह उन मार्गों में से हैं, जहां मांग कम है. साथ ही अन्य परिवहन माध्यमों से इन जगहों पर पांच घंटे से अधिक समय में पहुंचा जा सकता है. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के मुताबिक 31 मार्च तक क्षेत्रीय संपर्क योजना यानी उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) के तहत 559 मार्ग चिह्नित हैं. उड़ानों के लिए 'लैंडिंग' या 'पार्किंग' चार्ज नहीं केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और हवाईअड्डा परिचालक क्षेत्रीय उड़ान सेवा के तहत उड़ानों के लिए कई तरह के प्रोत्साहन देते हैं. इन उड़ानों के लिए लैंडिंग' या पार्किंग चार्ज भी नहीं है. नागर विमानन मंत्रालय ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना को प्रोत्साहित करने एवं हवाई यात्रा को और किफायती बनाने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर, 2016 को उड़ान सेवा शुरू की थी

दिल्ली मेट्रो में मच्छरो द्वारा उत्पात, क्या मेट्रो प्रशासन इसका कोई हल करेगा ?....

आजकल दिल्ली मेट्रो के अंदर के कई तरह की रील और विडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल होते आ रहे है। अब एक नया विडियो वायरल हो रहा है जिसमे मेट्रो में मच्छरों से परेशान यात्रियों को देखा जा सकता है। यह वीडियो देखने के बाद लोग मेट्रो की व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। यह वायरल वीडियो ग्रे (द्वारका- नजफगढ़- ढांसा बार्डर) कॉरिडोर का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि कैसे चलती मेट्रो में मच्छरों से यात्री परेशान हैं। विडियो में यात्री, गमछे, रुमाल और हाथों से मच्छरों को भगाते दिख रहे हैं। वैसे इन दिनों पूरी दिल्ली में मच्छरों का आतंक बढ़ा हुआ है। इस वजह से शाम होते ही मच्छरों से परेशानी बढ़ जाती है। मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो का गेट खुलने के दौरान मच्छर मेट्रो में प्रवेश कर जाते हैं। पहले भी ग्रे लाइन और ब्लू लाइन पर इंद्रप्रस्थ से यमुना बैंक स्टेशन के बीच मेट्रो में मच्छरों की परेशानी की बाते सामने आ चुकी है। लोग सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मच्छरों की उत्पति रोकने कि लिए जरूरी कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। ग्रे लाइन मेट्रो में मच्छरों के आतंक से यात्री परेशान, क्या मेट्रो प्रशासन इसका कोई हल निकालेगा ??

सड़क सुरक्षा पाठशाला : सड़क दुर्घटनाएँ: उनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए मार्गदर्शिका

परिवहन विशेष

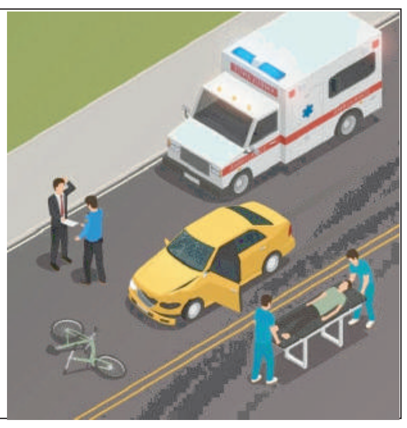

सड़क दुर्घटनाएँ कष्टदायक और भारी हो सकती हैं, लेकिन तत्काल परिणाम में क्या करना है यह जानने से महत्वपूर्ण अंतर आ सकता है। स्थिति से निपटने के तरीके के बारे में चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका यहां दी गई है:

शांत रहें: चाहे यह कितना भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हो, शांत रहने का प्रयास करें। अपने आप को स्थिर करने के लिए कुछ गहरी साँसें लें और शांति से स्थिति का आकलन करें।

सुरक्षा सुनिश्चित करें: यदि संभव हो, तो आने वाले यातायात से दूर किसी सुरक्षित स्थान पर चले जाएँ। अन्य ड्राइवरों को सचेत करने के लिए खतरनाक लाइटें चालू करें।

चोटों की जाँच करें: किसी भी चोट के लिए खुद का और दुर्घटना में शामिल अन्य लोगों का आकलन करें। यदि कोई घायल हो तो तुरंत आपातकालीन सेवाओं को कॉल करें। भले ही चोटें मामूली लगें, तुरंत चिकित्सा सहायता लेना महत्वपूर्ण है।

अधिकारियों को कॉल करें: दुर्घटना की रिपोर्ट करने के लिए पुलिस से संपर्क करें। उन्हें स्थान, शामिल वाहनों की संख्या और किसी भी चोट के बारे में सटीक जानकारी प्रदान करें।

जानकारी का आदान-प्रदान: दुर्घटना में शामिल अन्य पक्ष/पार्टियों के साथ संपर्क और बीमा विवरण का आदान-प्रदान करें। नाम, पता, फ़ोन नंबर, लाइसेंस प्लेट नंबर और बीमा जानकारी नोट करें।

दृश्य का दस्तावेजीकरण करें: वाहन की क्षति, सड़क की स्थिति और किसी भी प्रासंगिक संकेत सहित दुर्घटना स्थल की तस्वीरें लें। यह दस्तावेज़ बीमा दावों और कानूनी कार्यवाही के लिए अमूल्य हो सकता है।

गलती स्वीकार करने से बचें: गलती स्वीकार करने या घटनास्थल पर दोष मढ़ने से बचें। सबूतों के आधार पर दायित्व निर्धारित करने का काम अधिकारियों और बीमा कंपनियों पर छोड़ दें।

अपनी बीमा कंपनी को सूचित करें: दुर्घटना की रिपोर्ट करने के लिए जितनी जल्दी हो सके अपने बीमा प्रदाता से संपर्क करें। उन्हें सभी प्रासंगिक विवरण प्रदान करें और उनकी जांच में पूरा सहयोग करें।

यदि आवश्यक हो तो कानूनी सलाह लें: यदि दुर्घटना के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण क्षति, चोट या विवाद होता है, तो व्यक्तिगत चोट या यातायात कानून में विशेषज्ञता वाले कानूनी पेशेवर से परामर्श लेने पर विचार करें। वे आपके अधिकारों और विकल्पों पर मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।

अनुवर्ती कार्रवाई: किसी भी चल रहे उपचार या पुनर्वास के लिए चिकित्सा पेशेवरों से संपर्क करें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपका दावा सुचारू रूप से आगे बढ़े, अपनी बीमा कंपनी के साथ संपर्क में रहें।

अपना ख्याल रखें: सड़क दुर्घटना से निपटना भावनात्मक रूप से थका देने वाला हो सकता है। यदि आप अभिभूत महसूस कर रहे हैं तो दोस्तों, परिवार या परामर्शदाता से सहायता लेने में संकोच न करें। इन चरणों का पालन करके, आप सड़क दुर्घटना के बाद अधिक प्रभावी ढंग से निपट सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आप अपने अधिकारों की रक्षा करते हुए अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करें। याद रखें, सड़क पर किसी भी आपातकालीन स्थिति में सुरक्षा और भलाई हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

डॉ अंकुर शरण,
राष्ट्रीय मुख्य यातायात एवं नियोजन अधिकारी
(Road Safety Omni Foundation)

सड़क सुरक्षा पाठशाला - प्रेशर हॉर्न : सड़क सुरक्षा के लिए खतरा

शहरी जीवन के शोर-शराबे में, प्रेशर हॉर्न हमारी सड़कों की अवांछित ध्वनि बन गए हैं। हालाँकि शुरुआत में इसका उद्देश्य दूसरों को सचेत करना एक सुरक्षा उपाय था, लेकिन उनके दुरुपयोग ने उन्हें एक महत्वपूर्ण खतरे में बदल दिया है। प्रेशर हॉर्न की लगातार बजने वाली आवाज न केवल हमारी इंद्रियों पर हमला करती है बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करती है।

प्रेशर हॉर्न के साथ प्राथमिक समस्याओं में से एक उनका अंधाधुंध उपयोग है। ड्राइवर अक्सर इन्हें अनावश्यक रूप से तैनात करते हैं, चाहे निराशा व्यक्त करने के लिए, प्रभुत्व का दावा करने के लिए, या केवल शोर मचाने के रोमांच के लिए। ध्वनि की यह निरंतर बौछार पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों और अन्य ड्राइवरों को चौंका सकती है, जिससे दुर्घटनाएं हो सकती हैं और सड़क पर तनाव का स्तर बढ़ सकता है।

इसके अलावा, प्रेशर हॉर्न ध्वनि प्रदूषण में योगदान करते हैं, जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। लंबे समय तक तेज आवाज के संपर्क में रहने से सुनने की क्षमता में कमी, नींद में खलल, हृदय गति में वृद्धि और यहां तक कि संज्ञानात्मक हानि भी हो सकती है। कमजोर आबादी जैसे बच्चे, बुजुर्ग और संवेदी संवेदनशीलता वाले व्यक्ति विशेष रूप से इन नकारात्मक प्रभावों के प्रति संवेदनशील होते हैं।

प्रेशर हॉर्न हमारे आसपास के प्राकृतिक ध्वनि परिदृश्य को बाधित करते हैं, जिससे आपातकालीन वाहन सायरन, पैदल यात्री अलर्ट और आने वाले वाहनों जैसे महत्वपूर्ण श्रवण संकेतों को सुनना मुश्किल हो जाता है। यह स्थितिजन्य जागरूकता से समझौता करता है और सड़क पर संभावित खतरों पर तेजी से प्रतिक्रिया करने की हमारी क्षमता को ख़राब करता है।

इन जोखिमों को कम करने और सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रेशर हॉर्न के उपयोग को विनियमित करना आवश्यक है। जन जागरूकता अभियानों के साथ मौजूदा ध्वनि प्रदूषण कानूनों को सख्ती से लागू करने से उनके दुरुपयोग को रोकने में मदद मिल सकती है। इसके अतिरिक्त, शांत हॉर्न या हॉर्न-मुक्त वाहनों जैसी वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों में निवेश हमारी सड़कों पर शोर के स्तर को कम करने के लिए व्यवहार्य समाधान प्रदान कर सकता है।

प्रेशर हॉर्न का प्रसार सड़क सुरक्षा और सार्वजनिक कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है। प्रभावी विनियमन के माध्यम से इस मुद्दे को संबोधित करके और जिम्मेदार ड्राइविंग प्रथाओं को बढ़ावा देकर, हम अपनी सड़कों को सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित और अधिक सामंजस्यपूर्ण स्थान के रूप में पुनः प्राप्त कर सकते हैं। यह प्रेशर हॉर्न के खतरे को शांत करने और एक शांत, सुरक्षित भविष्य की ओर मार्ग प्रशस्त करने का समय है। जो ड्राइवर प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करता है उसे यह जानना जरूरी है कि इसके लिए मोटर वाहन नियम में चालान का प्रावधान है और साथ ही परमिट कंडीशन का भी चालान बनता है यानी 66/192A लगा कर मालिक और चालक दोनो पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

डॉ अंकुर शरण
राष्ट्रीय मुख्य यातायात एवं नियोजन अधिकारी
(Road Safety Omni Foundation)

देवेंद्र सिंह, सदस्य स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार एवं मेंबर ऑफ पार्लियामेंट रोड सेफ्टी कमेटी भारत सरकार की जनता से अपील

परिवहन विशेष न्यूज

कृप्या इन 9 बातो का सदेव याद रखें और यातायात नियमों का का पालन करें,

गलत दिशा में वाहन पार्क ना करे,

वाहन में सीट बेल्ट लगा कर बैठे,

वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग ना करें,

लाल बत्ती पर को पार ना करे,

निजी नम्बर के वाहन से व्यवसायिक गतिविधि ना करें,

नशा करके वाहन ना चलाए,

तय गति सीमा से तेज वाहन ना चलाए,

सामान ढोने वाले वाहन पर सवारी ना बैठाए,

दो पहिया वाहन पर हेलमेंट पहने,

अगर आप ने इन बातो पर सड़क पर चलते समय अमल नहीं किया और इनमें से किसी नियम का भी सड़क पर चलते समय उल्लघन किया तो ट्रैफिक पुलिस एवं परिवहन विभाग प्रवर्तन शाखा राज्य एवं भारत सरकार आपका चालान काट सकता है और आपका ड्राइविंग लाइसेंस 3 महीने के लिए रद्द कर सकता है। नए मोटर व्हीकल एक्ट 2019 में पहले से 10 गुना जुर्माना हो चुका है। आपकी जानकारी हेतु बता दें कि अब जरूरी नहीं है कि आपकी गलती के लिए आपको सड़क पर रोककर चालान किया जाए अब चालान सीसी टीवी के माध्यम एवं पुलिस के सड़क पर फोटो खींचने से भी आ सकता है। इसलिए सड़क पर सावधानी से चलें और ट्रैफिक के नियमों का हमेशा पालन करें। पुलिस एवं प्रशासन को हमेशा सहयोग करें। *सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा

स्पेशल नोट: *कृपया आप ट्रैफिक के नियमों की जानकारी अपने जानकारों, रिश्तेदारों एवं अन्य लोगों से शेयर करें।*

श्री हनुमान प्राकट्योत्स 23 अप्रैल 2024 मंगलवार

23 अप्रैल 2024 दिन मंगलवार, चैत्र शुक्ल पक्ष पूर्णिमा को श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव का पर्व मनाया जाएगा। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमानजी की पूजा विशेष रूप से करें तो यह आपके लिए बड़ा ही लाभकारी रहेगा। इस दिन आप हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए कुछ उपाय भी कर सकते हैं। इससे हनुमानजी आपके जीवन से तमाम कष्ट हर लेंगे और अपनी कृपा बनाए रखेंगे।

श्री हनुमान जी की पूजा उपासना में रखे विशेष सावधानी-:

श्री हनुमान जी की पूजा- उपासना, अनुष्ठान इत्यादि में शुद्धता व पवित्रता का विशेष ध्यान रखें।

श्री हनुमान जी की पूजा उपासना के लिए एक दिन पहले से ही आप पवित्रता के नियमों का पालन करे।

श्री हनुमान जन्मोत्सव के दिन प्रातः सूर्योदय से पहले उठे और स्नान करें व स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

इस दिन निरंतर श्री हनुमान जी के आराध्य श्री राम जी के नाम जो हनुमान जी का विशेष प्रिय नाम है ₹श्री राम₹ नाम के जप करते हुए श्री हनुमान जी के लिए फूल- फल इत्यादि की व्यवस्था करें।

उसके उपरांत आप साफ स्वच्छ आसन पर बैठे और हनुमान जी की पूजा- उपासना करें।

आप इस दिन पवित्र आचरण रखें,कम बोलें, व्रत उपवास रखें। झूठ, छल, कपट, ईर्ष्या, लोभ- वासना इत्यादि अवगुणों से दूर रहें।

आप इस दिन एक समय हनुमान जी के भोग लगाया हुआ प्रसाद ग्रहण करें। इस दिन आप फल दूध इत्यादि ले सकते हैं और एक समय भोजन ग्रहण कर सकते हैं।

हनुमान जी की उपासना के लिए आवश्यक वस्तु एक दिन पहले जुटा लें जैसे-ः नारियल, सुपारी, सिंदूर चंदन, जनेऊ, शुद्ध देसी घी, कपूर, शुद्ध अच्छी क्वालिटी की धूप, फल, प्रसाद इत्यादि।

इस दिन पाठ मंत्र का महत्व-:

सुंदरकांड का करे पाठ-ः

श्री हनुमान जी की प्रसन्नता के लिए इस दिन आप सुंदरकांड का भी पाठ कर सकते हैं, एक शुद्ध देसी घी का दीपक जलाकर, साफ- शुद्ध आसन पर बैठकर सुंदरकांड का पाठ करें, इससे सभी मनोकामना पूर्ण होगी और जीवन में चल रहे कष्टों से मुक्ति मिलेगी।

इस दिन जरूर करें श्री हनुमान चालीसा के पाठ-:

इस दिन आप 108 हनुमान चालीसा के पाठ कर सकते हैं। यह पार्ट आप किसी हनुमान जी के मंदिर में या फिर एकांत जगह पर कर सकते हैं। और इस दिन के बाद निरंतर प्रतिदिन सुबह शाम दोनों समय श्री हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू कर दें, आपके ऊपर हनुमान जी की कृपा बनी रहेगी और और सभी अटके हुए काम पूर्ण होने लगेंगे।

हनुमानजी के समक्ष ₹श्रीराम₹ नाम के जप करें-:

इस दिन आप हनुमान मंदिर में बैठकर श्री राम जी के किसी भी मंत्र का जप कर सकते हैं जैसे- ₹श्री राम जय राम जय जय राम₹ इससे हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और उनका आशीर्वाद व उनकी भक्ति प्राप्त होती है।

फल- फूल अर्पित करें-:

श्री हनुमान जी को चमेली, गुलाब, गेंदा, हजारा, गुड़हल के फूल से उनका सिंगार करें, उनके श्री चरणों में अर्पित करें। फलों में केला इत्यादि भी अर्पित करें।

सिंदूर का चोला-:

श्री हनुमान जन्मोत्सव के दिन पूरी श्रद्धा भाव से श्री हनुमानजी को सिंदूर का चोला, चंदन, पान का बीड़ा, जनेऊ, नारियल, धूप- दीप आदि चढ़ाएं।

भोग - प्रसाद-:

इस दिन श्री हनुमान जी के पवित्रता और शुद्धता से बने हुए प्रसाद का ही भोग लगाएं, जैसे-ः गुड़-चना, गाय के शुद्ध घी में बनी हुई बूंदी, चूरमा, मोतीचूर के लड्डू, मेवा, केला फल इत्यादि का भोग लगाएं।।

यदि आपकी जन्म कुंडली में किसी प्रकार का दोष जैसे-ः मंगल दोष, शनि, राहु दोष, चंद्र- सूर्य ग्रहण दोष, पितृ दोष या किसी भी तरह का ग्रह- नक्षत्र दोष है और जिसके कारण आपके जीवन में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न हो रही हो तो आप कुछ सामान्य उपाय करके ग्रह- नक्षत्र के प्रतिकूल प्रभाव से मुक्त हो सकते हैं।।a

भगवान को चढ़ाया गया प्रसाद/भोग कितनी देर भगवान के पास रखा जाए, जाने

हिंदू धर्म में रोजाना पूजा-पाठ करने का बड़ा महत्व है. नियमित तौर पर पूजा करने के कई फायदे हैं. लेकिन पूजा का पूरा फल, भगवान की कृपा और सकारात्मकता तभी मिलती है, जब पूजा-पाठ नियम से की जाए. पूजा-पाठ में मंत्र जाप, पाठ आदि के साथ भोग का बड़ा महत्व होता है. यदि भोग सही तरीके से लगाया जाए तभी भगवान प्रसन्न होते हैं. वैसे भी हर देवी-देवता को पूजा के समय भोग लगाना और नैवेद्य अर्पित करना जरूरी होता है. साथ ही यह सही विधि से हो यह भी जरूरी है. आइए जानते हैं भोग लगाने का मंत्र और सही तरीका. भोग लगाते समय इन बातों का रखें खास ध्यान

भोग लगाने का मंत्रः भगवान को भोग लगाते समय भोग लगाने का मंत्र पढ़ना बहुत जरूरी है. माना जाता है कि भोग लगाने का मंत्र पढ़ने से ही भगवान भोग स्वीकार करते हैं. लिहाजा भोग लगाते समय इसका मंत्र - 'त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये. गृहाण सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वर

हनुमान जन्मोत्सव : हनुमान जी करेंगे हर मनोकामना पूरी, बस राशिनुसार कर लें इन मंत्रों का जाप

हर साल चैत्र शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। इसी दिन हनुमान जी ने माता अंजनी की कोख से जन्म लिया था। इस साल 23 अप्रैल, मंगलवार को हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस पावन दिन विधि- विधान से हनुमान जी की पूजा- अर्चना की जाती है। हनुमान जी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। हनुमान जी की कृपा से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इस कलयुग में हनुमान जी की पूजा का महत्व बहुत अधिक है। किसी भी तरह की समस्या हो, हनुमान जी की पूजा- अर्चना करने से उस समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाता है। कई लोग धन संबंधित समस्याओं से परेशान रहते हैं। हनुमान जी की कृपा से व्यक्ति धनवान बन जाता है और जीवन सुखमय हो जाता है। हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत आसान होता है। ज्योतिष में 12 राशियों का वर्णन है। हर राशि के स्वामी अलग होते हैं। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार राशि अनुसार मंत्रों का जप करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। हिंदू धर्म में मंत्र जप का विशेष महत्व बताया गया है। नियमित रूप से मंत्र जप करने से भगवान का आर्शीवाद प्राप्त होता है और सभी तरह के संकटों से मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए राशिनुसार मंत्र-

मेष राशि - ऊँ सर्वदुखहराय नमः
वृष राशि - ऊँ कपिसेनानायक नमः
मिथुन राशि - ऊँ मनोजवाय नमः
कर्क राशि - ऊँ लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः
सिंह राशि - ऊँ परशौर्य विनाशन नमः
कन्या राशि - ऊँ पंत्रवक्त्र नमः
तुला राशि - ऊँ सर्वग्रह विनाशिने नमः
वृश्चिक राशि - ऊँ सर्वबंधविमोक्त्रे नमः
धनु राशि - ऊँ चिरंजीविते नमः
मकर राशि - ऊँ सुरार्चिते नमः
कुंभ राशि - ऊँ वज्रकाय नमः
मीन राशि - ऊँ कामरूपिणे नमः

भूलकर भी नजरअंदाज न करें उच्च कोलेस्ट्रॉल के ये चेतावनी संकेत, गंभीर बीमारियों का खतरा कम करने में मिलेगी मदद

शरीर में जब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बहुत अधिक बढ़ जाता है, तो यह हृदय रोग और स्ट्रोक सहित कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए इसके संकेतों पर नजर रखना बेहद जरुरी है। चलिए कुछ ऐसे चेतावनी संकेतों पर चर्चा करते हैं, जिन्हें आपको भूलकर भी नज़रअंदाज़ नहीं करना है।

अच्छी हेल्थ के लिए कोलेस्ट्रॉल और इसके प्रभाव को समझना जरुरी है। कोलेस्ट्रॉल, खून में पायी जाने वाली एक प्रकार की वसा है, जो शरीर के ठीक से काम करने के लिए आवश्यक है। हालाँकि, शरीर में जब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बहुत अधिक बढ़ जाता है, तो यह हृदय रोग और स्ट्रोक सहित कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए इसके संकेतों पर नजर रखना बेहद जरुरी है। चलिए कुछ ऐसे चेतावनी संकेतों पर चर्चा करते हैं, जिन्हें आपको भूलकर भी नज़रअंदाज़ नहीं करना है।

सीने में दर्द या बेचैनी- लगातार सीने में दर्द या बेचैनी, विशेष रूप से शारीरिक गतिविधि या एक्सरसाइज के दौरान, उच्च कोलेस्ट्रॉल के कारण संकुचित धमनियों के कारण हृदय में रक्त के प्रवाह में कमी का संकेत हो सकता है।

सांस की तकलीफ- सांस लेने में कठिनाई या सांस की तकलीफ, विशेष रूप से शारीरिक गतिविधि के दौरान, यह संकेत दे सकता है कि धमनियों में कोलेस्ट्रॉल से संबंधित रुकावटों की वजह से हृदय को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रहा है।

त्वचा पर पीले रंग का जमाव- आंखों के आसपास, पलकों पर या शरीर के अन्य हिस्सों पर पीले जमाव कोलेस्ट्रॉल के उच्च स्तर का संकेत दे सकते हैं, जिसे ज़ैंथेलस्मा के रूप में जाना जाता है।

लगातार सिरदर्द- क्रोनिक सिरदर्द, विशेष रूप से चक्कर आना या दृष्टि परिवर्तन के साथ, बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल स्तर की चेतावनी संकेत हो सकता है।

बोलने या समझने में कठिनाई- बोलने या समझने में परेशानी, अचानक भ्रम, या सरल निर्देशों को समझने में कठिनाई एक क्षणिक इस्केमिक हमले (टीआईए) का संकेत दे सकती है, जिसे अक्सर मिनी-स्ट्रोक के रूप में जाना जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने के कारण हो सकता है।

जिद्दी से जिद्दी पेट की चर्बी को खत्म कर देंगी ये 5 ड्रिंक्स, मिलेंगे कई फायदे

आज के समय में मोटापा एक बड़ी समस्या बन चुका है, इससे हर कोई परेशान है। एक बार पेट की चर्बी बढ़ जाए तो उसे कम करने में टाइम लगता है। अगर आप इन ड्रिंक्स का सेवन करें तो मोटापा कम हो सकता है। इन ड्रिंक्स को पीकर आपको वजन कम करने में काफी मदद मिलती है।

बढ़ता मोटापा इंसान की पर्सेनैलिटी को खराब करता है इसके साथ ही शारीरिक और मानसिक रुप से भी प्रभावित करता है। अगर आप अपनी लाइफस्टाल में बदलाव कर सकते हैं। इससे आपका मोटापे को कंट्रोल होने में मदद मिलेंगी और वजन कम कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ड्रिंक्स के बारे में बताएंगे जो वेटलॉस में मदद कर सकती हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी के सेवन से वेटलॉस कर सकते हैं। ग्रीन टी में एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर होती है जो शरीर को मेटाबॉलिज्म तेज करती है। वहीं दिन में इसका एक या दो कप ग्रीन टी आपके लिए बेहतरीन डिटॉक्स ड्रिंक होती है।

एप्पल साइडर विनेगर

वजन को कम करने के लिए सबसे बेहतरीन है एप्पल साइडर विनेगर। यह बॉडी के लिए फैट को जलाता है और मोटापे से बचाता है। वेट लॉस के लिए एप्पल साइडर विनेगर काफी अच्छा माना जाता है।

मेथी ड्रिंक

मेथी ड्रिंक वेट लॉस के काफी फायदेमंद हो सकती है। इसके लिए आपको एक गिलास पानी में आधा चम्मच मेथी के दाने रात भर के लिए भिगो दें। इसके बाद सुबह इसे खाली पेट पीना है।

जीरा वॉटर

जीरा एंटीऑक्सिडेंट्स और एंटी इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते हैं। जीरा वॉटर ड्रिंक वजन घटाने के लिए शानदार हो सकती है। इसके सेवन से शरीर की चर्बी कम होती है और आपके पेट भी साफ करता है।

सौंफ का पानी

वेट लॉस के लिए सौंफ का पानी भी बेहतरीन फैट कटर ड्रिंक है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सिडेंट्स ना सिर्फ वेट लॉस करते हैं बल्कि मेटाबॉलिज्म भी तेज करता है।

इस पौधे की सुगंध से घर से भाग जाएंगे मच्छर

गर्मी में मच्छरों का आतंक हर तरफ बढ़ चुका है। घर में मच्छरों से बचने के लिए जलाने वाली सभी अगरबत्तियां फेल हो जाती हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे पौधे के बारे में बताने वाले हैं, जिसकी खुशबू मच्छर बहुत दूर भागते हैं। वहीं इस पौधे की पत्ती को खाने से कई फायदें होते हैं। आइए चलिए जानते हैं इस पौधे का नाम बता दें कि मरुआ के पौधे से मच्छर बहुत दूर भागते हैं। हालांकि ये पौधा देखने में बिल्कुल तुलसी के पौधे की तरह होता है, लेकिन असल में ये तुलसी का पौधा नहीं होता है। लेकिन इसमें भी तुलीस की तरफ कई गुण हैं। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट के अनुसार जिन घरों में यह पौधा उगा होता है, वहां मच्छर नहीं आते हैं। इसकी गंध से ही मच्छर दूर भागते हैं। इस पौधे को घर में लगाना भी बहुत आसान होता है। बेस्ट

मॉस्कीटो रेपलेंट एक्सपर्ट के अनुसार तुलसी जैसा लगने वाला मरुआ का पौधा बेस्ट मॉस्कीटो रेपलेंट है। यह पूरे भारत में उगाया जाता है। आमतौर पर लोग इसे किचन गार्डन में उगाते हैं। इसकी महक की वजह से मच्छर ही नहीं अन्य कीड़े मकोड़े भी आसपास नहीं आते हैं। यह पौधा मच्छरों को भगाने के लिए रामबाण है, इसलिए अपने घर के कुछ गमलों में इस पौधे को जरूर लगाना चाहिए। इससे आप इस गर्मी में मच्छरों से बच सकते हैं।

पत्तों में कई गुण आपको बता दें कि इस पौधे की गंध से मच्छर भाग जाते हैं, ऐसे में कई लोग इसे जहरीला समझते हैं। लेकिन इसकी पत्तियां तोड़कर खाने से नुकसान नहीं फायदा होता है। इसे मसाले के रूप में पहचान मिली हुई है। यह भोजन में स्वाद के अलावा कई बीमारियों को भी ठीक करता है। इसकी पत्तियां खाने से पेट की सफाई होती और भूख बढ़ता है। इस पौधे में तमाम न्यूट्रीएंट्स के अलावा एंटी ऑक्सीडेंट्स भी होते हैं। इसे खाने से कोई साइड इफैक्ट नहीं होता है। ऐसे में इसे चटनी, सलाद, सब्जी आदि में भी डालकर खा सकते हैं पर इसे ज्यादा मात्रा में नही खाना चाहिए।

डिप्रेशन से निपटने के लिए एक्सरसाइज हैं बेहद कारगर, कम होगा दिल संबंधी बीमारी का खतरा

डिप्रेशन को डिवोर्स, कर्ज और डायबिटीज से ज्यादा बदतर माना जाता है। एक शोध के मुताबिक शोध में पाया गया कि दौड़ना, टहलना, योग, स्ट्रैंथ ट्रेनिंग और एरोबिक्स एक्सरसाइज डिप्रेशन से निपटने का कारगर उपाय है।

दस में से कम से कम एक व्यक्ति को अपने पूरे जीवन में कभी न कभी डिप्रेशन होता है। एक रिसर्च के मुताबिक चार में से एक व्यक्ति को यह मानसिक परेशानी होती है। बता दें कि डिप्रेशन को डिवोर्स, कर्ज और डायबिटीज से ज्यादा बदतर माना जाता है। बताया जाता है कि सात ऑस्ट्रेलियाई लोगों में से एक व्यक्ति को डिप्रेशन की दवा लेनी पड़ती है। मनोवैज्ञानिकों की मानें, तो विकसित देशों में डिप्रेशन से पीड़ित सिर्फ आधे लोगों को इलाज मिल पाता है।

नए शोध से प्राप्त जानकारी के मुताबिक डिप्रेशन और थेरेपी से निपटने के लिए मेडिसन के साथ कसरत पर भी विचार किया जाता है। डिप्रेशन के इलाज में थेरेपी बेहद कारगर साबित हो सकती है। लेकिन मायने यह रखता है कि आप किस तरह से व्यायाम करते हैं और कैसे करते हैं। दौड़ना, टहलना, वजन उठाना और डांस जैसे उपायों से डिप्रेशन को कम करने के लिए 218 ट्रायल करा गया। बता दें कि 14,170 लोगों पर किए गए शोध में पाया गया कि दौड़ना, टहलना, योग, स्ट्रैंथ ट्रेनिंग और एरोबिक्स एक्सरसाइज डिप्रेशन से निपटने का कारगर उपाय है।

डिप्रेशन से निपटने के उपाय

रनिंग, वॉकिंग और एक्सरसाइज डिप्रेशन से निपटने में सहायक है।

डिप्रेशन में योग और मिक्स एरोबिक एक्सरसाइज काफी प्रभावी माना जाता है।

डांस भी डिप्रेशन से निपटने में भी कारगर माना गया है।

हांलाकि कोई भी एक्सरसाइज करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

दिल संबंधी बीमारियों का कम होगा खतरा

कैलोरी बर्न करने और फैट कम करने में एक्सरसाइज मददगार होती है।

एंटी डिप्रेशन दवा से ज्यादा बेहतर एक्सरसाइज होती है।

वहीं एक्सरसाइज करने से हार्ट संबंधी बीमारियों का खतरा भी कम होता है।

यदि आप रोजाना 5 मिनट दौड़ते हैं, तो व्यक्ति पूरा दिन एक्टिव बना रहता है।

रिलीज होता है गुड हार्मोन

बता दें कि शवासन, उत्तानपादासन, पवनमुक्तासन, वक्रासन और सूर्य नमस्कार करने से डिप्रेशन की समस्या कम होती है।

एक्सरसाइज एंटीडिपेंटेंट्स हैं। इससे अच्छी नींद और तनाव कम होता है।

रनिंग करने से हार्मोन गुड न्यूरोट्रांसमीटर, नॉरपेनेफ्राइन और सेरोटोनिन में बदलाव होता है।

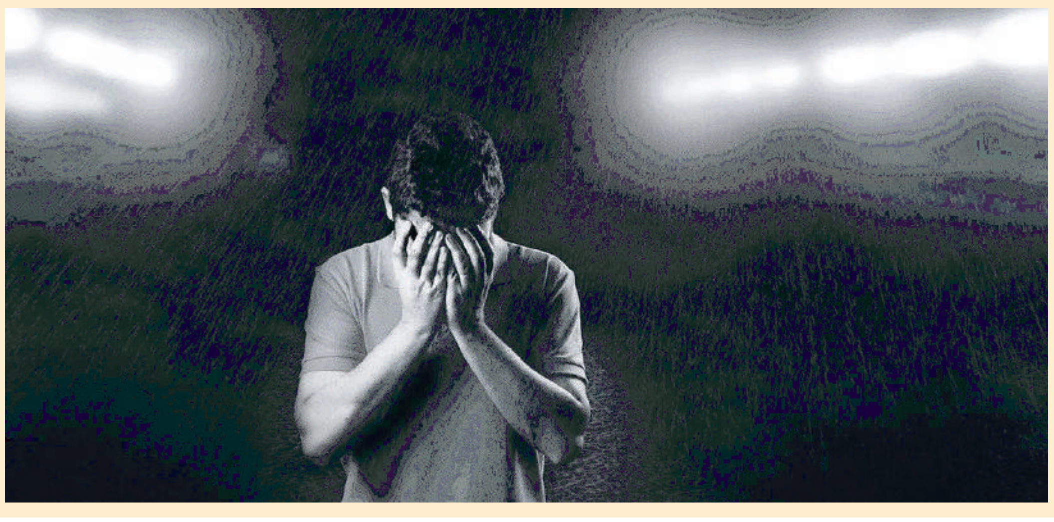

डीयू के छात्रों के लिए बेहतरीन अवसर, 'समर इंटर्नशिप योजना' के लिए चार मई तक करें आवेदन; हर महीने कमाई का मौका

समर इंटर्नशिप हर हफ्ते 20 घंटे की होगी और हर महीने विद्यार्थियों को 10500 रुपये स्टाइपेंड दिया जाएगा। जिन विद्यार्थियों ने पहले ही इस इंटर्नशिप का लाभ ले लिया है वे इसके आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे। इंटर्नशिप के समापन के बाद विद्यार्थियों को अधिष्ठाता छात्र कल्याण की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। इस योजना के लिए विद्यार्थी चार मई तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय अपने यहां के विद्यार्थियों के लिए दो महीने की अवधि की समर इंटरर्नशिप योजना लाया है। इसमें स्नातक और स्नातकोत्तर में नियमित तौर पर पढ़ाई करने वाले छात्र आवेदन कर सकते हैं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण की ओर से इंटरर्नशिप का हिस्सा बनने के लिए आवेदन मांगे गए हैं। जून और जुलाई में होने वाली इंटर्नशिप योजना के लिए अंतिम वर्ष के छात्र आवेदन करने के योग्य नहीं होंगे।

समर इंटर्नशिप हर हफ्ते 20 घंटे की होगी और हर महीने विद्यार्थियों को 10500 रुपये स्टाइपेंड दिया जाएगा। जिन विद्यार्थियों ने पहले ही इस इंटर्नशिप का लाभ ले लिया है, वे इसके आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे। इंटर्नशिप के समापन के बाद विद्यार्थियों को अधिष्ठाता छात्र कल्याण की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। इस योजना के लिए विद्यार्थी चार मई तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

अनुशंसा पत्र लेकर ऑनलाइन जमा करना होगा

जो भी विद्यार्थी इसके लिए आवेदन करने के इच्छुक हैं, उन्हें अपने प्राचार्य या विभाग प्रमुख से अनुशंसा पत्र लेकर ऑनलाइन जमा करना होगा। इसके बिना उनका आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस अनुशंसा पत्र का इंटर्नशिप के लिए साक्षात्कार के दौरान भी दिखाना होगा। स्टूडेंट्स का चुनाव अनुशंसा पत्र और साक्षात्कार और सामूहिक चर्चा के बाद किया जाएगा।

इस योजना के तहत विद्यार्थी को कुलपति, उपकुलपति, डीन ऑफ कॉलेजेज, दक्षिण परिसर के निदेशक, नियंता कार्यालय, अधिकष्ठाता छात्र कल्याण, कुलसचिव कार्यालय में काम करने का मौका दिया जाएगा। केंद्रीय पुस्तकालय, विज्ञान पुस्तकालय, विभागों के पुस्तकालय, विभागों की प्रयोगशाला में भी इंटर्नशिप होगी।

2022-23 से 'वाइस चांसलर इंटर्नशिप योजना' शुरू

परीक्षा विभाग, प्रवेश शाखा, शोध परिषद, खेल परिषद के अलावा क्लस्टर इनोवेशन सेंटर, इंस्टिट्यूट आफ लाइफ लांग लर्निंग, महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र, वैश्विक अध्ययन केंद्र, स्कूल आफ ओपन लर्निंग (एसओएल) और एनसीवेब में भी काम करने का मौका मिलेगा। पिछले साल इस योजना के लिए सात हजार आवेदन किए गए थे। जिनमें से सौ छात्रों का चुनाव किया गया था। डीयू ने सत्र 2022-23 से 'वाइस चांसलर इंटर्नशिप योजना' शुरू की थी।

इंसुलिन की मांग पर CM केजरीवाल को लगा झटका, डॉक्टर के साथ रोज 15 मिनट VC की इजाजत वाली याचिका खारिज

दिल्ली की अदालत ने सीएम केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने जेल अधिकारियों को इंसुलिन देने का निर्देश देने की मांग की थी। इसके साथ ही उन्होंने शुगर लेवल के घटने-बढ़ने के संबंध में रोज 15 मिनट के लिए डॉक्टर के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए परामर्श देने की अनुमति देने की मांग की थी।

नईदिल्ली। दिल्ली की अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक बार फिर झटका दिया है। कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें केजरीवाल ने जेल अधिकारियों को इंसुलिन देने का निर्देश देने और शुगर लेवल के घटने-बढ़ने को लेकर रोज 15 मिनट के लिए डॉक्टर के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से परामर्श देने की अनुमति की मांग की थी।

स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने निर्देश दिया कि अरविंद केजरीवाल को उचित चिकित्सा उपचार प्रदान किया जाना चाहिए। केजरीवाल को किसी विशेष परामर्श की आवश्यकता के मामले में जेल अधिकारी एम्स निदेशक द्वारा गठित एक मेडिकल बोर्ड को नियुक्त करेंगे, जिसमें एक एंडोक्रिनोलॉजिस्ट और एक मधुमेह विशेषज्ञ शामिल होंगे।

इंसुलिन को लेकर मेडिकल बोर्ड लेगा निर्णय

उन्होंने कहा कि मेडिकल बोर्ड को यह तय करना है कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन दिया जाना चाहिए या नहीं। अदालत ने कहा कि मेडिकल बोर्ड एक निर्धारित आहार और एक एक्सरसाइज प्लान पर भी निर्णय लेगा, जिसका नियमित पालन किया जाना चाहिए। मेडिकल बोर्ड द्वारा निर्धारित आहार योजना में कोई बदलाव नहीं होगा।

19 अप्रैल को कोर्ट ने फैसला रखा था सुरक्षित

बता दें, सीएम केजरीवाल ने इंसुलिन देने और रोज 15 मिनट वीसी के जरिए डॉक्टरी परामर्श की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। 19 अप्रैल (शुक्रवार) को इस पर सुनवाई हुई और विशेष जज ने फैसला सोमवार तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल के वकील ने कहा था कि केजरीवाल 22 वर्षों से मधुमेह से पीड़ित हैं और उन्हें रोज इंसुलिन की जरूरत होती है।

आग लगने पर गोपाल राय ने मांगी रिपोर्ट, 48 घंटे का दिया समय; ऐसी घटनाएं रोकने का भी मांगा प्लान

दिल्ली सरकार ने पर्यावरण विभाग को गाजीपुर लैंडफिल साइट (Ghazipur Landfill Site) पर लगी आग के कारणों और गर्मी के मौसम में ऐसी साइटों पर इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कारगर कार्ययोजना पर एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। गोपाल राय द्वारा जारी आदेश में पर्यावरण एवं वन विभाग के प्रमुख सचिव को 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने पर्यावरण विभाग को गाजीपुर लैंडफिल साइट (Ghazipur Landfill Site) पर लगी आग के कारणों और गर्मी के मौसम में ऐसी साइटों पर इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कारगर कार्ययोजना पर एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

कैबिनेट मंत्री गोपाल राय द्वारा जारी आदेश में पर्यावरण एवं वन विभाग के प्रमुख सचिव को 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि रविवार शाम को गाजीपुर लैंडफिल साइट पर बड़े पैमाने पर लैंडफिल में आग लगने की घटना सामने आई है, जिससे आसपास के इलाकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

पर्यावरण विभाग संभालने वाले राय ने निर्देश दिया कि रिपोर्ट में आग के कारण से संबंधित सभी पहलुओं और इसका मुकाबला करने के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा उठाए गए तत्काल कदमों को शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, "पिछले वर्षों के दौरान भी आग लगने की ऐसी घटनाएं सामने आई थीं। मौका मुआयना करने के बाद मैंने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए विभिन्न निर्देश जारी किए हैं।

आदेश में कहा गया, ₹विभाग ने ऐसी घटनाओं को रोकने और उनका मुकाबला करने के लिए विभिन्न एजेंसियों को कुछ दिशानिर्देश जारी किए। सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा ऐसे दिशानिर्देशों के अनुपालन के संबंध में सभी संबंधितों से एक रिपोर्ट एकत्र की जाए।₹

इसने गर्मी के मौसम के दौरान दिल्ली में सभी लैंडफिल साइटों पर ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए विभाग की कार्य योजना पर विवरण भी मांगा।

तिहाड़ में केजरीवाल के इलाज के लिए गठित होगा मेडिकल बोर्ड, आतिशी और सौरभ भारद्वाज की रही ये प्रतिक्रिया

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि आज के राउज एवेन्यू कोर्ट के आदेश से साबित होता है कि जिस दिन से अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में हैं उन्हें सही चिकित्सा सुविधा नहीं मिली है। हमें उम्मीद है कि कोर्ट द्वारा गठित मेडिकल बोर्ड आज ही बैठेगा और अरविंद केजरीवाल का चेकअप करेगा और उन्हें इंसुलिन देना शुरू कर देगा।

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने केजरीवाल की इंसुलिन देने और डॉक्टरी परामर्श की मांग की याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही कोर्ट ने तिहाड़ प्रशासन को केजरीवाल को उचित इलाज देने की व्यवस्था करने को कहा और केजरीवाल के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने को कहा। वहीं कोर्ट के इस फैसले पर आप नेताओं की प्रतिक्रिया आई है।

दिल्ली की मंत्री और आप नेता आतिशी ने दिल्ली कोर्ट के फैसले की सराहना की और कहा कि उन्हें आज से ही इंसुलिन मिलना शुरू हो जाएगा, क्योंकि शुगर लेवल 300 ऊपर जाने के बाद इंसुलिन दिया जाना ही एकमात्र उपाय है।

बीते 22 दिन से उन्हें उचित इलाज नहीं मिला

उन्होंने कहा, ₹आज के राउज एवेन्यू कोर्ट के आदेश से साबित होता है कि जिस दिन से अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में हैं, उन्हें सही चिकित्सा सुविधा नहीं मिली। हमें उम्मीद है कि ये मेडिकल बोर्ड आज ही बैठेगा और अरविंद केजरीवाल का चेकअप करेगा और उन्हें इंसुलिन देना शुरू कर देगा।₹

जेल में कोई स्पेशलिस्ट डॉक्टर नहीं था: सौरभ

वहीं, दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, "अरविंद केजरीवाल करीब 22 दिनों से तिहाड़ जेल में हैं। वह कई दिनों से कह रहे हैं कि उनका शुगर लेवल बढ़ रहा है और जेल के अंदर कोई विशेषज्ञ मधुमेह विशेषज्ञ नहीं है और वह इंसुलिन की मांग कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने कोर्ट से कहा कि उन्हें अपने स्पेशलिस्ट डॉक्टर के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करने की इजाजत दी जाए, क्योंकि जेल में कोई स्पेशलिस्ट डॉक्टर नहीं था।

उन्होंने कहा कि आज कोर्ट के फैसले से साफ हो गया कि तिहाड़ जेल में कोई डायबिटीज स्पेशलिस्ट नहीं है। मधुमेह विशेषज्ञों के साथ एक मेडिकल बोर्ड बनेगा, जो यह तय करेगा कि अरविंद केजरीवाल को क्या इलाज दिया जाना चाहिए और कौन सी दवा की आवश्यकता होनी चाहिए।"

गाजीपुर लैंडफील साइट पर लगी भीषण आग कब मिलेगी दिल्ली को इन कचरे के पहाड़ों से मुक्ति

परिवहन विशेष न्यूज

गाजीपुर। लैंडफिल साइट पर आग लगने का सिलसिला शुरू हो गया। रविवार शाम को लैंडफिल के एक हिस्से में भीषण आग लग गई। हवा चलने की वजह से धुआं छह किलोमीटर क्षेत्र में फैल गया। धुएं की वजह से लोगों को सांस लेने में परेशानी व आंखों में जलन होने लगी। सूचना मिलते ही दमकल की नौ गाड़ियां लैंडफिल साइट पर पहुंचीं। दमकल व निगम की टीमें मशीनों के जरिये आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं। खबर लिखे जाने तक आग लगी हुई थी। मीथेन गैस हो सकती है वजह आशंका है कि मीथेन गैस की वजह से आग लगी। आग खुद लगी या फिर किसी ने लगाई है। निगम व पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। उप महापौर आले मोहम्मद इकबाल ने साइट का निरीक्षण भी किया। दोपहर से धुआं उठना हुआ शुरू लैंडफिल साइट पर दोपहर से कूड़े से धुआं उठाना शुरू हो गया था। शाम होते ही आग भड़क गई और ऊंची-ऊंची लपटे उठने लगी। शाम 5:22 बजे दमकल को आग की सूचना दी गई। आग इतनी भीषण थी कि उसका धुआं आइईपी एक्सटेंशन, गाजीपुर, मयूर विहार, खोड़ा, इंदिरापुरम तक फैल गया। लोगों को सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन होने लगी। धुआं बढ़ने पर लोगों ने छोड़ा घर इस समस्या से एनएच-नौ समेत आसपास की सड़कों पर वाहन चलाने वाले चालकों को भी जूझना पड़ा। धुआं बढ़ने पर गाजीपुर लैंडफिल साइट के पास मुल्ला कॉलोनी के कई लोग घरों को बंद करके दूसरे क्षेत्रों में रहने वाले अपने रिश्तेदारों के घर चले गए। कई किमी दूर रहने वाले भी परेशान मुल्ला कॉलोनी में रहने वाले बिलाल अंसारी ने बताया कि एक वर्ष में कई बार लैंडफिल पर आग लगती है। इसके आसपास रहने वाले तो छोड़िये कई किलोमीटर दूर रहने वाले लोग भी लैंडफिल साइट से परेशान हैं। यहां पर कूड़े में एक बार आग लगने पर उसपर काबू पाना मुश्किल हो जाता है, कई दिनों तक लगी रहती है। धुएं के कारण लोगों की आंखों से पानी निकलना रहता है। सांस लेने के लिए मुंह पर कपड़ा या मास्क लगाना पड़ता है। गाजीपुर लैंडफिल साइट के एक छोटे से पैच ने आग पकड़ी थी। निर्देशानुसार सभी अधिकारियों को मौके पर भेज दिया गया था। स्थिति नियंत्रण में है। -शैली ओबेराय, महापौर, दिल्ली नगर निगम। गाजीपुर लैंडफिल साइट पर आगजनी का मामला सामने आने के बाद घटना स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों को आग पर जल्द काबू पाने के निर्देश दिए। गर्मी और मौसम में ड्राइनेस की वजह से आग लगी है। आग पर काबू पाने के लिए 5 एक्स्कवेटर और अधिक दमकल की गाड़ियां मौजूद हैं। -आले मोहम्मद इकबाल, उपमहापौर, दिल्ली नगर निगम। दिल्ली लंदन तो नही बनी, लेकिन कूड़े के पहाड़ों पर बार-बार लग रही आग से लगता है राष्ट्रीय राजधानी को राख बनाकर ही छोड़ेगी। गाजीपुर लैंडफिल में लगी आग का वीडियो खौफनाक है। अब तो आप ही निगम में है। अब वह इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराएंगे।

-भाजपा, दिल्ली प्रदेश

लैंडफिल का हिस्सा गिरने से हुई थी दो लोगों की मौत गाजीपुर लैंडफिल साइट के पास एक नाला व नदी है, दोनों के बीच सड़क है। सितंबर 2017 में गाजीपुर लैंडफिल साइट का एक बड़ा हिस्सा नाले में गिर गया था, नाले का पानी सड़क पर आ गया था। दो कार व सात दो पहिया वाहन बहकर नदी में चले गए थे। इस हादसे में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई थी। यह लैंडफिल के इतिहास का सबसे बड़ा हादसा था। हादसे के वक्त लैंडफिल की ऊंचाई 50 मीटर के आसपास थी, जो निर्धारित ऊंचाई से 30 मीटर अधिक थी। इसको लेकर काफी राजनीति भी हुई थी। 12 जून 2023: गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी आग। 20 अप्रैल 2022: एक माह में तीन बार गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी आग। 29 मार्च 2022: गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी आग को तीन दिन में बुझाया गया था। 1 अप्रैल 2021: गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी आग।

मतदाता सूची में इस तरह शामिल कराएं अपना नाम, दिल्ली में सिर्फ दो सप्ताह का समय

परिवहन विशेष न्यूज

चुनाव आयोग दिल्ली के सातों संसदीय क्षेत्रों में मतदाताओं को जागरूक करने में जुटा हुआ है। आयोग के निर्देश पर सभी क्षेत्रों में निर्वाचन अधिकारी जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इस दौरान नए मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए भी अपील की जा रही है। अगले सप्ताह से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही दिल्ली में चुनाव की सरगर्मी तेज हो जाएगी।

नई दिल्ली। चुनाव आयोग दिल्ली के सातों संसदीय क्षेत्रों में मतदाताओं को जागरूक करने में जुटा हुआ है। आयोग के निर्देश पर सभी क्षेत्रों में निर्वाचन अधिकारी जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इस दौरान नए मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए भी अपील की जा रही है।

अगले सप्ताह से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही दिल्ली में चुनाव की सरगर्मी तेज हो जाएगी। इसलिए मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए भी अब सिर्फ दो सप्ताह का ही समय शेष है। इसके बाद मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए नए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

इस तरह कर सकते हैं आवेदन

इसलिए लोग दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप के माध्यम से लोग मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोग वोटर हेल्पलाइन मोबाइल या ईसीओ कार्यालय के वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन दे सकते हैं।

14 मई तक करें आवेदन

सीईओ कार्यालय के अनुसार, नामांकन की अंतिम तिथि तक नए वोटर मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए आवेदन दे सकते हैं। दिल्ली में छठे चरण में 25 मई को चुनाव है। इसके लिए 29 अप्रैल से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी और छह मई नामांकन की अंतिम तिथि है। इसलिए नामांकन की अंतिम तिथि में 14 दिन बाकी है। इस दौरान मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए आवेदन स्वीकार किए जांएगे।

सीईओ कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए आवेदन देने के बाद उसके सत्यापन और मतदाता सूची में नाम शामिल करने में एक सप्ताह से दस दिन समय लगता है। दिल्ली का मतदाता पहचान पत्र 22 जनवरी को तैयार हो गया था और उसका प्रकाशन भी हो चुका है।

छह मई के बाद मतदाता सूची में शामिल नहीं होगा नाम

इसके बाद आवेदन देने वाले मतदाताओं की एक पूरक सूची तैयार होगी और उसका प्रकाशन भी होगा। इसलिए छह मई के बाद कोई नया आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। छह मई के बाद आवेदन देने वालों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाएगा।

छह मई तक आवेदन देने वाले लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल होने के बाद वे आनलाइन ई-मतदाता पहचान पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। इसका फायदा यह है कि मतदाता पहचान पत्र घर नहीं पहुंच पाने की स्थिति में चुनाव वाले दिन मतदान के लिए ई-मतदाता पहचान पत्र इस्तेमाल किया जा सकता है।

'रोज इंसुलिन मांग रहा हूं...', तिहाड़ जेल से अरविंद केजरीवाल ने लिखी चिट्ठी

आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का शुगर लेवल बढ़ने को लेकर हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा है। आम आदमी पार्टी और तिहाड़ जेल प्रशासन के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बीच दिल्ली सीएम का बयान आया है। उन्होंने चिट्ठी लिखकर दावा किया कि तिहाड़ जेल के दोनों बयान झूठे हैं।

नईदिल्ली। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तिहाड़ जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाया है। सीएम केजरीवाल ने इस संबंध में तिहाड़ जेल अधीक्षक को एक चिट्ठी लिखी है। आम आदमी पार्टी (आप) के सूत्रों ने ये जानकारी दी है।

उन्होंने कहा, ₹मैंने अखबार में तिहाड़ जेल प्रशासन का बयान पढ़ा। मुझे बयान पढ़कर दुख हुआ। तिहाड़ के दोनों बयान झूठे हैं। मैं रोज इंसुलिन मांग रहा हूं। मैंने ग्लूको मीटर की रीडिंग दिखाई और बताया कि दिन में तीन बार शुगर बहुत हाई जा रही है। शुगर 250 से 320 के बीच जाती है।"

अरविंद केजरीवाल ठीक हैं- तिहाड़ जेल प्रशासन

इससे पहले शनिवार को इंसुलिन विवाद के बीच तिहाड़ जेल प्रशासन ने कहा था कि अरविंद केजरीवाल ठीक हैं। साथ ही एम्स दिल्ली के डॉक्टरों ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 40 मिनट तक परामर्श दिया, जिस दौरान उन्हें कोई गंभीर स्वास्थ्य चिंता नहीं होने का आश्वासन दिया गया और निर्धारित दवाएं लेना जारी रखने की सलाह दी गई।

घर बैठे कमाई के चक्कर में शख्स ने बच्चों की पढ़ाई और शादी की रकम गंवाई

साइबर थाने में सेक्टर-22 में रहने वाले हेमंत ने दी शिकायत में बताया कि वह एक कारखाने में सिक्योरिटी सुपरवाइजर है। चार मार्च को उसकी टेलीग्राम आईडी पर घर बैठे कमाई कराने का ऑफर आया। इसमें बताया गया कि एएमसी थियेटर कंपनी में कुछ पैसे लगातार काम किया जा सकता है। इसमें मोटा मुनाफा होगा। इसके बदले खूब कमीशन मिलेगा।

गाजियाबाद। जिले से ऑनलाइन कमाई कराने के नाम पर 15.88 लाख रुपये ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने अपने बच्चों की पढ़ाई और शादी के लिए बैंक में एफडी कराई हुई थी। ठगों के चंगुल में ऐसा फंसा, यह रकम तो गई, साथ में अपने दोस्तों से उधार लेकर भी पैसा फंसा दिया। अब पीड़ित परेशान है।

साइबर थाने में सेक्टर-22 में रहने वाले हेमंत ने दी शिकायत में बताया कि वह एक कारखाने में सिक्योरिटी सुपरवाइजर है। चार मार्च को उसकी टेलीग्राम आईडी पर घर बैठे कमाई कराने का ऑफर आया। इसमें बताया गया कि एएमसी थियेटर कंपनी में कुछ पैसे लगातार काम किया जा सकता है। इसमें मोटा मुनाफा होगा। इसके बदले खूब कमीशन मिलेगा। उसने इस काम में रुचि दिखा दी।

अधिक कमीशन का दिया प्रलोभन

इसके बाद पहले दिन उसे बिना पैसे लगाए उसका डमी अकाउंट बनाकर दे दिया गया। इसमे उसे 1150 रुपये प्राप्त हुए। उसने पैसे निकाल लिए। पांच मार्च को उससे 11 हजार रुपये जमा कराने को कहा गया। उसने यह पैसे जमा करा दिए। इसके बाद कहा गया कि यदि ज्यादा पैसे जमा करोगे तो अधिक कमीशन मिलेगा। इसके बाद उसने 22 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। पैसे जमा करने के बाद उसे टास्क देना शुरू कर दिया गया।

पंजाबी समाज के गढ़ में 26 अप्रैल को भाजपा करेगी विजय संकल्प रैली

परिवहन विशेष न्यूज

पंजाबी समाज के गढ़ में 26 अप्रैल को भाजपा विजय संकल्प रैली करेगी। शीतला मंडल में रैली को लेकर संपर्क करने की जिम्मेदारी प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक नवीन गोयल को अर्जुन मंडल में पार्टी के वरिष्ठ नेता हरविंदर कोहली को दयानंद मंडल में महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी को एवं सरस्वती मंडल में खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक मुकेश शर्मा पहलवान को सौंपी गई है।

गुरुग्राम। पंजाबी समाज को साधने के लिए भाजपा गुड़गांव विधानसभा क्षेत्र स्तर की रैली भीमनगर के रामलीला मैदान में 26 अप्रैल आयोजित करेगी। भीमनगर का इलाका पंजाबी समाज का गढ़ माना जाता है। मुख्य अतिथि भी पंजाबी समाज से आने वाले प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल को बनाया गया है।

बैठक कर तय की गई जिम्मेदारी

भाजपा ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रदेशस्तरीय नेताओं की एक-एक रैली आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में 26 अप्रैल को गुड़गांव विधानसभा क्षेत्र की रैली तय की गई है। तैयारी को लेकर रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष कमल यादव ने प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी कार्यालय गुरुकमल में बैठक कर जिम्मेदारी तय की।

शीतला मंडल में रैली को लेकर संपर्क करने की जिम्मेदारी प्रदेश भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक नवीन गोयल को, अर्जुन मंडल में पार्टी के वरिष्ठ नेता हरविंदर कोहली को, दयानंद मंडल में महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी को एवं सरस्वती मंडल में खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक मुकेश शर्मा पहलवान को सौंपी गई है।

रैली को लेकर संपर्क अभियान के दौरान सभी नेता व कार्यकर्ता मोदी की गारंटी के बारे में चर्चा करेंगे। रैली में भी मोदी की गारंटी पर ही विशेष रूप से लोगों से संवाद किया जाएगा।

बादशाहपुर व पटौदी विधानसभा में जल्द होगी रैली

जिलाध्यक्ष कमल यादव का कहना है कि पार्टी जीत के लिए नहीं बल्कि भारी अंतर से जीत के लिए काम कर रही है। सभी कार्यकर्ता दिन-रात इसके लिए लगे हुए हैं। बादशाहपुर एवं पटौदी विधानसभा क्षेत्र के लिए भी रैली की घोषणा जल्द की जाएगी।

बैठक में महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक नवीन गोयल, खेल प्रकोष्ठ के सह संयोजक मुकेश शर्मा पहलवान, पार्टी के जिला महामंत्री रामबीर भाटी, सर्वप्रिय त्यागी, उपाध्यक्ष सुंदरी खत्री, पूर्व पार्षद सीमा पाहुजा, कार्यालय निर्माण विभाग संयोजक हरविंदर कोहली, कार्यालय सचिव यादराम जोया, जिला सह मीडिया प्रमुख पवन यादव, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मयंक निर्मल आदि शामिल हुए।

शराब पीने के लिए पैसे नहीं दिए तो बेटे ने मां को पीटकर किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

नोएडा कोतवाली जारचा क्षेत्र के एक गांव में शराब के लिए पैसे न देने पर बेटे ने मां को जमीन पर गिराकर घायल किया। छायसा गांव की रहने वाली महेंद्री का आरोप है कि शनिवार को बेटा सोनू शराब पीने के लिए पैसे मांग रहा था। उन्होंने पैसे देने से मना कर दिया। इस पर भड़के बेटे सोनू ने जमीन पर गिराकर लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया।

नोएडा। रकोतवाली जारचा क्षेत्र के एक गांव में शराब के लिए पैसे न देने पर बेटे ने मां को जमीन पर गिराकर लाठी-डंडों से पीटकर घायल किया।

पुलिस के अनुसार छायसा गांव में परिवार के साथ रहने वाली महेंद्री का आरोप है कि शनिवार को बेटा सोनू शराब पीने के लिए पैसे मांग रहा था। मां उसके शराब पीने के कारण दुखी थी, तो उन्होंने पैसे देने से मना कर दिया। इस पर भड़के बेटे सोनू ने मां को जमीन पर गिराकर लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया।

पड़ोसियों के पहुंचने के बाद आरोपी फरार

चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों के मौके पर आने से मां को जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। पड़ोसियों ने महेंद्री को अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के बाद मां ने बेटे के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाली प्रभारी जारचा सुनील बैसला ने कहा कि पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

अप्रैल में तपा रही जून सी गर्मी, पड़ रहे लू के थपेड़े

एनसीआर में बढ़ती गर्मी अप्रैल माह में जून की गर्मी का एहसास करा रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को भी तेज धूप व गर्म हवा का सामना करना पड़ेगा। दो दिन गर्मी ज्यादा महसूस हो सकती है। तापमान में एक दो डिग्री सेल्सियस बढोतरी होने की संभावना है। साथ ही अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। तेज धूप व लू के थपेड़ों के साथ बढ़ती गर्मी अप्रैल माह में जून की गर्मी का एहसास करा रही है। सुबह से ही तेज धूप में घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। रविवार को हल्के बादल भी तेज धूप में बेअसर रहे। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन ऐसे ही गर्मी की मार झेलनी पड़ेगी।

इस साल अप्रैल माह में गर्मी काफी ज्यादा पड़ रही है। सुबह से ही तेज धूप के साथ गर्म हवा चलने लगती है। जिससे गर्मी का एहसास ज्यादा होता है। दोपहर में लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो रहा है।

अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज

रविवार को जो लोग काम से घर से बाहर निकलते हैं वह भी धूप व गर्म हवा से बचाव करते दिखे। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा अधिकतम 13 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। वातावरण में आर्द्रता 24 प्रतिशत दर्ज की गई।

मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को भी तेज धूप व गर्म हवा का सामना करना पड़ेगा। दो दिन गर्मी ज्यादा महसूस हो सकती है। तापमान में एक दो डिग्री सेल्सियस बढोतरी होने की संभावना है।

न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। हवा की रफ्तार बढ़ने के साथ अधिकतम 14 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी। वातावरण में आर्द्रता 24 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

चुनाव में गौतमबुद्ध नगर के मतदान केंद्रों पर रहेगी कड़ी सुरक्षा, निर्भीक होकर करें मतदान

परिवहन विशेष न्यूज

गौतमबुद्ध नगर में दिल्ली व हरियाणा राज्यों से लगने वाली सीमा पर कुल 26 बैरियर लगे हैं। सभी बैरियर पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। स्थानीय थाना व चौकी से इसकी 24 घंटे निगरानी हो रही है। जिले में 26 अप्रैल को मतदान होना है। चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस अधिकारियों ने कमर कस ली है।

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में जिले में 26 अप्रैल को मतदान होगा। ऐसे में चुनाव प्रचार की सरगर्मी बढ़ गई है। एक ओर प्रत्याशी चुनाव मैदान में पूरी ताकत झोंक रहे हैं, वहीं चुनाव को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण संपन्न कराने को पुलिस अधिकारियों ने कमर कस ली है। जिले में पहली बार बहुमंजिला सोसायटियों के परिसर में मतदान केंद्र बने हैं।

निष्पक्ष, शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराने, संवेदनशील बूथों समेत सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था और मतदान के दौरान की गई तैयारियों आदि को लेकर दैनिक जागरण के संवाददाता गौरव भारद्वाज ने गौतमबुद्ध नगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह से बात की। प्रस्तुत है प्रमुख अंश...

जिले में संगठित अपराध की कमर टूट चुकी है, पर माफिया के गुर्गे मतदान को प्रभावित न कर सकें, इसकी क्या तैयारी की गई है?

चुनाव की घोषणा से ही माफिया गिरोह के सक्रिय सदस्यों पर नकेल कसने की कवायद जारी है। इनकी 200 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त की है। 750 से अधिक गुंडा एक्ट के तहत जिला बदर हुए है। गैंगस्टर एक्ट में गिरफ्तारी, जमानत निरस्तीकरण की कार्रवाई जारी है।

जिले में पांच अलग-अलग माफिया गिरोह हैं। उनके सक्रिय सदस्यों पर नजर है। इनामी बदमाशों पर कार्रवाई हो रही है। कोशिश है कि चुनाव के दौरान एक भी माफिया चुनाव के दौरान खलल डालने के लिए जिले में मौजूद नहीं होगा।

जिले में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान 26 अप्रैल को होगा। शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए पुलिस की क्या तैयारी है?

जिले में शांतिपूर्ण चुनाव के लिए व्यापक तैयारी है। जिले को सात सुपर जोन व 120 सेक्टरों में बांटा है। हर सुपरजोन की जिम्मेदारी डीसीपी रैंक के अधिकारियों को दी है। सेक्टर मजिस्ट्रेट का जिम्मा पुलिस अधिकारियों को दिया गया है।

हमारी कोशिश है कि किसी भी सूचना पर पांच मिनट में पुलिस पहुंचे व शांतिपूर्ण समस्या का समाधान हो। बाहर से फोर्स मिल चुका है। सभी मतदान केंद्रों पर बाहर से आवंटित फोर्स तैनात होगा। जिले का फोर्स ही कानून व्यवस्था देखेगा।

जिले की सीमा दो राज्यों दिल्ली व हरियाणा के अलावा तीन जिले बुलंदशहर, गाजियाबाद व हापुड़ से मिलती है। चुनाव के दौरान नाकेबंदी की क्या तैयारी है?

जिले की दिल्ली व हरियाणा राज्यों से लगने वाली सीमा पर कुल 26 बैरियर लगे हैं। सभी बैरियर पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। स्थानीय थाना व चौकी से इसकी 24 घंटे निगरानी हो रही है।

वहीं बुलंदशहर, गाजियाबाद व हापुड़ जिले के साथ की सीमा पर 24 स्थान पर नाकेबंदी है। इनसे मतदाताओं को बिना किसी परेशानी के मतदान कराएंगे।

पुलिस पर प्रायः आरोप लगते हैं कि वह सत्ताधारी दल के प्रत्याशी की मदद करती है। इससे बचाव की क्या योजना है?

ऐसा बिल्कुल नहीं है। पुलिस निष्पक्ष काम करती है। पुलिसकर्मियों की तीन राउंड की ब्रीफिंग हो गई है। चुनाव ड्यूटी, बैरियर ड्यूटी, नाका ड्यूटी, क्लस्टर ड्यूटी, एफएसटी, एसएसटी सभी को अलग-अलग दिशा-निर्देश दिए हैं। चुनाव को पारदर्शिता से कराना व जनता को पारदर्शिता दिखे, दोंनों अहम हैं।

अभी तक कोई आरोप नहीं लगा है। आगे भी आरोप न लगे, इसके लिए पुलिस का राज्य स्तर का रैंडमाइजेशन किया गया है। हर मतदान केंद्र पर बाहर का फोर्स तैनात रहेगा। जिले में पिछले तीन वर्षों से तैनात पुलिसकर्मियों का जनवरी में ही ट्रांसफर हो गया है।

चुनावों में प्रायः पुलिस के व्यवहार पर सवाल उठते हैं। मतदाता कहते हैं कि वह बूथ पर मतदान के लिए जाते हैं तो पुलिस ठीक से व्यवहार नहीं करती। व्यवहार में सुधार के लिए क्या निर्देश दिए गए हैं?

मतदाताओं से ही नहीं, आमजन से भी मधुर व्यवहार रखने के निर्देश वक्त-वक्त पर पुलिसकर्मियों को दिए जाते हैं। जिले में काफी मतदाता सेक्टर व सोसायटियों में रहते हैं। जिले के पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया है कि वह मतदाताओं से शालीनता से बात करें।

मतदाता की बेरुखी लोकतंत्र के लिए नहीं हैं अच्छे संकेत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मतदान में हिस्सा नहीं लेने वाले मतदाताओं को किसी भी हालत में देश का जिम्मेदार नागरिक नहीं कहा जा सकता। आज चुनाव आयोग ने जहां अवेयरनेस प्रोग्राम के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागृत किया हैं वहीं पारदर्शी और सहज मतदान व्यवस्था सुनिश्चित की है।

18 वीं लोकसभा के लिए पहले चरण की 102 सीटों के लिए मतदान के प्रति मतदाताओं की उदासीनता ने निराश ही किया है। आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी मतदान प्रतिशत बढ़ने के स्थान पर कम होना निश्चित रुप से किसी भी रुप में लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता है। चुनाव आयोग के लाख प्रयासों के बावजूद मतदान प्रतिशत कम होना निश्चित रुप से सोचने को मजबूर कर देता है। चुनाव आयोग से पहले चरण के मतदान के प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया जाये तो साफ हो जाता है कि 2019 की तुलना में दो प्रतिशत तक मतदान प्रतिशत में गिरावट आई है। हांलाकि त्रिपुरा और सिक्किम में मतदान का आंकड़ा 80 प्रतिशत को छूने में सफल रहा है पर वहां भी 2019 की तुलना में कम है। त्रिपुरा में 2019 के 81.9 प्रतिशत की तुलना में 81.5 प्रतिशत और सिक्किम में 84.8 प्रतिशत की तुलना में 80 प्रतिषत मतदान रहा है। पहले चरण के चुनावों में मतदान का सबसे कम प्रतिशत बिहार का रहा है जहां मतदान का आंकड़ा 50 प्रतिषत को भी छू नहीं पाया है। छत्तीसगढ़ में अवश्य 2019 की तुलना में एक प्रतिशत से कुछ अधिक मतदान रहा है। जहां तक राजस्थान का प्रश्न है 12 सीटों पर हुए मतदान में मतदान प्रतिषत में 6 फीसदी की गिरावट रही हैं। सभी सीटों पर मतदान का प्रतिषत 2019 की तुलना में कम रहे हैं। हांलाकि चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ें आरंभिक सूचना के आधार पर है पर इनमें कोई खास बदलाव आने की संभावना नहीं है। मजे की बात यह है कि पहले चरण में लोकसभा की 543 सीटों में से 20 प्रतिशत से कुछ कम 102 सीटों पर मतदान हो चुका हैं। यदि मतदाताओं का अगले चार चरणों के मतदान में भी यही रुख रहता है तो यह चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों, लोकतांत्रिक व्यवस्था, गैरसरकारी संगठनों सहित सभी के लिए चिंतनीय हो जाता है।

मतदान में हिस्सा नहीं लेने वाले मतदाताओं को किसी भी हालत में देश का जिम्मेदार नागरिक नहीं कहा जा सकता। आज चुनाव आयोग ने जहां अवेयरनेस प्रोग्राम के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागृत किया हैं वहीं पारदर्शी और सहज मतदान व्यवस्था सुनिश्चित की है। आज मतदाताओं को किसी राजनीतिक दल पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। एक मतदान केन्द्र पर एक सीमा तक ही मतदाता होने के साथ ही मतदान केन्द्र पर सभी तरह की व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है। अब तो मतदाता को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता क्रमांक से लेकर मतदान केन्द्र तक की जानकारी का समावेश करते हुए परची उपलब्ध कराई जाती है। सीनियर सिटिजन और मतदान केन्द्र तक जाने में अक्षम मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा दी गई है। मतदाताओं को जागृत करने के लिए प्रचार के सभी माध्यम यहां तक कि सोशियल मीडिया का उपयोग किया जाने लगा है। मतदान को निष्पक्ष और भयमुक्त कराने के लिए संपूर्ण व्यवस्था चाक चोबंद की जाती है। राजनीतिक दलों और उम्मीद्वारों की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जाती है। यहां तक कि उम्मीद्वार से संबंधित जानकारी साझा की जाती है। संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर विशेष व्यवस्था होती है। कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही मतदान केन्द्र पर सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है। इसके अलावा यह नहीं भूलना चाहिए कि साक्षरता और लोगों में जागरुकता आई है। चुनाव आयोग के अलग अलग ऑब्जरवर द्वारा पूरी व्यवस्था पर कड़ी नजर रखी जाती है ताकि राजनीतिक दलों या उम्मीद्वारों द्वारा मतदाताओं को किसी भी गलत तरीके से प्रभावित नहीं किया जा सके। इस सबके बावजूद मतदान कम होना गंभीर हो जाता है।

लोकसभा के पहले चुनाव 1952 में 44.87 प्रतिशत मतदान रहा था जो सर्वाधिक 67.40 प्रतिशत 2019 के 17 वीं लोकसभा के चुनाव में रहा। मतदान में उतार चढ़ाव तो देखा जाता रहा है पर चुनाव व्यवस्था के सरलीकरण, पारदर्शिता, निष्पक्ष चुनाव की चाकचोबंद व्यवस्था, ग्रामीण और शहरी सभी क्षेत्रों में साक्षरता में बढ़ोतरी के बावजूद यदि मतदान प्रतिशत 90 के आंकड़ें को भी नहीं छूता है तो यह घोर निराशाजनक है। हांलाकि आजादी के बाद सर्वाधिक मतदान 1984 के 64.01 के आंकड़ें.को 2014 में पीछे छोड़ा गया पर 2019 के पहले चरण के मतदान से निराशा ही हाथ लगी है। आखिर शिक्षित मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने के प्रति इतना गैरजिम्मेदार कैसे हो रहा है। सब कुछ को अलग कर दिया जाये तो भी इस बात से नहीं नकारा जा सकता कि देश के नागरिक का भी अपने देश के प्रति लोकतंत्र के प्रति दायित्व होता है। आखिर हम सरकार की आलोचना करने में तो पीछे नहीं रहते पर कभी हमने सोचा है क्या कि हम मताधिकार का उपयोग करने के अपने दायित्व को नहीं समझ पाते हैं। अपनी सरकार चुनने के अवसर पर हम हमारे दायित्व को कैसे भूल जाते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पीण भी अपने आप में गंभीर हो जाती है। भारत जैसे देश के आम नागरिकों द्वारा इस तरह से लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी हिस्सेदारी नहीं निभाना किसी अपराध से कम नहीं माना जाना चाहिए।

हमें गर्व होता है कि हमारे देश का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। पर हमें उस समय नीचे देखने को भी मजबूर होना पड़ता है जब इतने बड़े लोकतंत्र के पर्व पर आमनागरिक अपने दायित्व को समझने और उसे पूरा करने की भूल कर बैठता है और मताधिकार का उपयोग नहीं कर व्यवस्था को ठेंगा बताने का प्रयास करते हैं। मेरा तो यहां तक मानना है कि नोटा का प्रयोग भी सही विकल्प नहीं है वहीं मतदान का बहिष्कार तो देशद्रोह से कम अपराध नहीं माना जाना चाहिए। चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों, सर्वोच्च न्यायालय, सरकार गैरसरकारी संगठनों और समाज के प्रबुद्ध जनों को सोचना होगा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान कर अपनी आहुति देने के काम से मुहं मोड़ने वालों के प्रति कोई सख्त कदम जैसा प्रावधान होना ही चाहिए। कोई ना कोई ऐसा संदेश जाना चाहिए ताकि लोग मतदान के प्रति संवेदनशील हो और मतदान अवश्य करें। यह समूची व्यवस्था को ही सोचने को मजबूर कर देता है। आने वाले चार चरणों में होने वाले मतदान में अधिक से अधिक मतदाता हिस्सा ले इसके लिए सभी स्तर पर समन्वित प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।

टायरो में क्यों भरवाए नाइट्रोजन, जाने

परिवहन विशेष न्यूज

टायर रखरखाव युक्तियाँ: लोग अक्सर पूछते हैं कि क्या उन्हें अपनी कार/बाइक के लिए नाइट्रोजन हवा का उपयोग करना चाहिए। कुछ साल पहले तक वाहनों में सामान्य हवा भरने का चलन था, लेकिन अब लगभग हर जगह टायर की दुकानों ने नाइट्रोजन फिलिंग स्टेशन शुरू कर दिए हैं, यह दावा करते हुए कि यह पुरानी सामान्य हवा की तुलना में टायरों के लिए बेहतर है। लेकिन, क्या ये दावे सच हैं? क्या नाइट्रोजन वास्तव में नियमित हवा से अधिक प्रीमियम है और टायर जीवन के लिए बेहतर है? **नाइट्रोजन क्यों? सबसे पहला और महत्वपूर्ण दावा है नाइट्रोजन लंबे समय तक दबाव बनाए रखती है और यह सच भी है। नाइट्रोजन के अणु बड़े होते हैं और सामान्य हवा की तुलना में धीमी गति से चलते हैं और इसलिए, सामान्य हवा के विपरीत, नाइट्रोजन आपके टायरों से इतनी जल्दी बाहर नहीं निकलेगी। नाइट्रोजन ठंडी रहती है और वायुमंडलीय हवा की तरह तापमान परिवर्तन के कारण फैलती या सिकुड़ती नहीं है। इस कारण से नाइट्रोजन का उपयोग विमान के टायरों को भरने और मोटरस्पोर्ट्स के लिए किया जाता है। नाइट्रोजन सीमेंट सड़कों पर तेज़ गति पर अचानक टायर फटने की घटना को भी कम कर सकती है।** संपीड़ित हवा में नमी होती है जो टायर के जीवन के लिए अच्छी नहीं है क्योंकि यह समय के साथ टायर की संरचना को ख़राब कर देती है, लेकिन यह सामान्य कारों पर लागू नहीं होता है जो अक्सर उपयोग की जाती हैं और शायद ही कभी प्रभावित होती हैं। **सामान्य हवा क्यों?** आप अपने वाहन के टायरों में सामान्य हवा भरने में गलती नहीं कर सकते इसे प्राप्त करना आसान है, कुछ हद तक सस्ता है, यह टायरों के आविष्कार के बाद से ही मौजूद है और वर्षों से इसकी उपयोगिता साबित हुई है। **वास्तव में क्या मायने रखती है ? नाइट्रोजन या मानक वायु विकल्प के बावजूद कार निर्माता द्वारा अनुशंसित सही टायर दबाव अधिक महत्वपूर्ण है। कम या अधिक मुद्रास्फीति कई समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसमें अत्यधिक घिसाव से लेकर खराब पकड़ और ईंधन की खपत और वाहन प्रदर्शन तक शामिल हैं।** नाइट्रोजन और सामान्य हवा के बीच भ्रम आपके उपयोग के मामले और नाइट्रोजन स्टेशन की उपलब्धता पर निर्भर करता है, लेकिन उचित टायर दबाव बनाए रखना हमेशा महत्वपूर्ण होता है। **क्या नाइट्रोजन और सामान्य हवा को मिलाना सुरक्षित है?** नाइट्रोजन को सामान्य हवा में मिलाना कोई समस्या नहीं है, हालाँकि नाइट्रोजन को सामान्य हवा में मिलाने से इसके लाभ कम हो जाएंगे। वास्तव में नियमित संपीड़ित हवा में 78% नाइट्रोजन और लगभग 20% ऑक्सीजन होती है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से, संपीड़ित हवा और नाइट्रोजन को मिलाने से कोई जोखिम या रासायनिक समस्या नहीं होती है। अगर टायरो में हवा कम लग रही है और यात्रा के दौरान आपको नाइट्रोजन न मिले तो नियमित रूप से हवा भरने से न कतराएँ।

टेस्टिंग के दौरान दिखी झलक, डिजाइन से उठा पर्दा, जानिए बैटरी पैक से लेकर रेंज तक सबकुछ

Mahindra XUV.e9 का प्रोडक्शन शुरू हो गया है। महिंद्रा की यह इलेक्ट्रिक एसयूवी की टेस्टिंग भी शुरू हो गयी है। टेस्टिंग के दौरान महिंद्रा की अपकमिंग कार की झलक देखने को मिली है। इस दौरान इस कार का फ्रंट और साइड प्रोफाइल का डिजाइन सामने आया है। महिंद्रा की यह अपकमिंग ईवी XUV 700 पर आधारित होगी जो अप्रैल 2025 में पेश की जा सकती है।

नई दिल्ली। महिंद्रा इन दिनों अपनी अपकमिंग इलेक्ट्रिक व्हीकल को लॉन्च करने की तैयारी में है। Mahindra XUV.e9 का प्रोडक्शन भी शुरू हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो कंपनी की कथित अपकमिंग ईवी डॉट ई9 को टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है, जिससे उसके डिजाइन को लेकर जानकारी पता चली है। Mahindra XUV.e9 को लेकर बताया जा रहा है कि यह XUV700 SUV का ईवी अवतार है।

Mahindra XUV.e9: डिजाइन

टेस्टिंग के दौरान देखी गई महिंद्रा की इस ईवी का डिजाइन पिछले साल दिखाए कॉन्सेप्ट की तरह ही है। फ्रंट डिजाइन की बात करें तो इसमें स्प्लिट हेडलैप, फुल-विर्थ एलईडी लाइट बार और क्लोज ऑफ ग्रिल दिया गया है। वहीं साइड प्रोफाइल में कंपनी ने लेटेस्ट अलॉय व्हील्स दिए हैं, जो BE.09 से इन्स्पायर्ड हैं।

महिंद्रा की यह अपकमिंग कार coupe-SUV होगी, जिसमें कनेक्टेड LED टेल-लैम्प्स दिए जाएंगे। रियर बंपर में रजिस्ट्रेशन प्लेट की जगह दी गई है। इसके साथ ही रियर गेट में महिंद्रा का लोगो दिया गया है। संभव है कि लोगो के ठीक नीचे नेमप्लेट दी जाए।

Mahindra XUV.e9: इंटीरियर

अपकमिंग XUV.e9 के कथित स्पाई शॉट में दावा किया गया है कि इसमें 12.3-इंच की तीन डिस्प्ले मिलेंगी। इसके साथ ही 2-स्पोक फ्लैट बॉटम स्टीयरिंग व्हील दिया गया है। इसके साथ ही सेंटर कॉन्सोल में कॉन्वेनशनल शिफ्ट लीवर दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह कार लेवल 2 ADAS सेफ्टी फीचर के साथ आएगी।

Mahindra XUV.e9: रेंज और बैटरी

महिंद्रा की XUV.e9 को लेकर बताया जा रहा है कि इसमें XUV.e8 वाला बैटरी पैक और इलेक्ट्रिक मोटर दी जा सकती है, जो भारत में अगले साल लॉन्च होनी है। इस कार में 80kWh का बैटरी पैक दिया जाएगा, जिसमें ऑल-व्हील ड्राइव के लिए दो मोटर का सपोर्ट दिया जाएगा। यह मोटर 230hp से 350hp की पावर जनरेट करेगी। कार की संभावित रेंज 435-450km है।

Mahindra XUV.e9 कब होगी लॉन्च?

महिंद्रा की अपकमिंग ईवी XUV.e9 को लेकर बताया जा रहा है कि यह अप्रैल 2025 में लॉन्च की जा सकती है।

प्रीमियम ऑडियो सिस्टम के साथ आएगी महिंद्रा XUV 3XO, पांचवें टीज़र में मिली जानकारी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माता Mahindra की ओर से भारतीय बाजार में जल्द ही नई एसयूवी (Mahindra XUV 3Xo)को लाने की तैयारी की जा रही है। कंपनी ने हाल में ही सोशल मीडिया पर पांचवां टीजर जारी किया है। जिसमें नई एसयूवी XUV 3XO के एक और फीचर की जानकारी मिल रही है। कंपनी नई एसयूवी में किस तरह के फीचर्स को देने की तैयारी कर रही है।

Mahindra XUV 3XO का पांचवां Teaser जारी

महिंद्रा की ओर से सोशल मीडिया पर नई एसयूवी XUV 3X0 का पांचवां टीजर जारी किया गया है। कंपनी ने 20 सेकेंड का तीसरा वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है। जिसमें एसयूवी में मिलने वाले ऑडियो सिस्टम की जानकारी मिल रही है।

मिली यह जानकारी

नए टीजर में कंपनी की ओर से जानकारी दी गई है कि Mahindra XUV 3XO में Harman Kardon के सात स्पीकर वाले ऑडियो सिस्टम को दिया जाएगा। कंपनी की ओर से टीजर में यह भी बताया गया है कि इस प्रीमियम ऑडियो सिस्टम को एसयूवी के कुछ ही वेरिएंट में ऑफर किया जाएगा।

पहले मिली थी यह जानकारी

कंपनी की ओर से एसयूवी के लॉन्च से पहले लगातार टीजर जारी किए जा रहे हैं। जिनमें एसयूवी से जुड़ी कई जानकारियों को बताया जा चुका है। कंपनी की ओर से अभी तक जारी किए टीचर में कई फीचर्स की जानकारी दी जा चुकी है।

भरी गर्मी में ड्राइविंग को रखना चाहते हैं कूल तो करें यह जरुरी काम, बीच रास्ते में नहीं रुकेगी गाड़ी

समूचे भारत में गर्मी ने दस्तक दे दी है और देश के विभिन्न क्षेत्रों में तापमान बढ़ना शुरू हो गया है। जिस तरह हम गर्मियों के महीनों में अपना स्वास्थय बेहतर रखने के लिए तैयारियां करते हैं, ठीक उसी तरह हमारी कार को भी कुछ उपचार और बचाव की जरूरत होती है। आइए, उन 5 जरूरी कामों के बारे में जान लेते हैं, जिनकी मदद से आप भरी गर्मी में कूल ड्राइविंग कर सकेंगे।

AC की सर्विस गर्मियों के दौरान सबसे ज्यादा काम करने वाले कंपोनेंट्स में एयर कंडीशनिंग सिस्टम का नाम शामलि है। कार मालिक अक्सर अपने एसी यूनिट के बारे में शिकायत करते हुए कहते हैं कि गर्मी के दौरान केबिन को ठंडा करने में बहुत समय लगता है। इस समस्या के बचने के लिए सुनिश्चित करें कि केबिन एयर फिल्टर साफ है, क्योंकि गंदे फिल्टर के परिणामस्वरूप एसी का प्रदर्शन खराब हो सकता है और केबिन के अंदर दुर्गंध भी आ सकती है।

विंडशील्ड वाइपर की जांच विंडशील्ड वाइपर बरसात के मौसम में सबसे अधिक प्रभावी होते हैं। गर्मियों के दौरान इन पर सीधी गर्मी पड़ती है, जिसके परिणामस्वरूप रबर सूख जाती है। इस वजह से वाइपर विंडशील्ड को साफ करने में कम प्रभावी हो जाते हैं। वाइपर ब्लेड्स की टूट-फूट की जांच करना सुनिश्चित करें और यदि आवश्यक हो तो उन्हें बदल दें।

फ्लुइड चेक- अप उच्च तापमान के परिणामस्वरूप अक्सर इंजन ऑयल जल्दी जल जाता है, खासकर यदि तेल पुराना और खराब हो चुका हो। इंजन ऑयल लेवल की नियमित रूप से जांच करना और पावरप्लांट को किसी भी नुकसान से बचने के लिए ओईएम द्वारा अनुशंसित उचित तेल जोड़ना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इंजन ऑयल लुब्रिकेंट के रूप में कार्य करता है और मोटर के चलने वाले हिस्सों को घर्षण से बचाता है।

बैटरी की जांच कार की बैटरी को सर्वोत्तम स्थिति में रखने का सबसे अच्छा तरीका इसे साफ रखना है। यह बैटरी केबलों को नियमित रूप से अलग करके और टर्मिनलों को पोंछकर किया जा सकता है। इसके अलावा सुनिश्चित करें कि बैटरी सुरक्षित रूप से बंधी हुई है और सभी कनेक्शन ठीक से सुरक्षित हैं। यह जांचना सुनिश्चित करें कि बैटरी टर्मिनल जंग और गंदगी-मुक्त हैं।

टायर प्रेशर की चेकिंग बाहरी तापमान के आधार पर टायरों में प्रतिदिन एयर प्रेशर घटता और बढ़ता रहता है। गर्म मौसम टायर के वायु दबाव को बढ़ाकर प्रभावित करता है, जबकि कम फुलाए गए टायरों के परिणामस्वरूप कार की फ्यूल एफिशियंशी घट जाती है। इस समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से टायर प्रेशर चेक करते रहें।

वोक्सवैगन ताइगुन जीटी लाइन और जीटी प्लस स्पोर्ट हुई लॉन्च

दुनिया की प्रमुख कार निर्माताओं में शामिल फॉक सवैगन की ओर से भारतीय बाजार में कई दमदार एसयूवी और सेडान कारों को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से Taigun GT Line और GT Plus Sport को लॉन्च कर दिया गया है। इन एसयूवी में किस तरह की खूबियों को दिया गया है और इनकी क्या कीमत तय की गई है।

नई दिल्ली। दमदार कारों और फीचर्स के लिए पहचान रखने वाली Volkswagen ने भारतीय बाजार में दो बेहतरीन एसयूवी को लॉन्च कर दिया है। कंपनी की ओर से Volkswagen Taigun GT Line और GT Plus Sport को लॉन्च किया गया है। हम इस खबर में इनकी खूबियों और कीमत की जानकारी दे रहे हैं।

लॉन्च हुई Volkswagen Taigun GT Line और GT Plus Sport

फॉक्सवैगन की ओर से भारतीय बाजार में Volkswagen Taigun GT Line और GT Plus Sport को लॉन्च कर दिया गया है। सामान्य वर्जन के मुकाबले इनमें कंपनी ने कई बेहतरीन फीचर्स और इंजन को दिया है।

कैसी हैं खूबियां

Volkswagen Taigun GT Line में कंपनी की ओर से स्पोर्टी ब्लैक थीम को दिया गया है। इसके साथ ही इसमें 17 इंच के अलॉय व्हील्स, डार्क एलईडी हेडलैंप, डीआरएल, 25.65 सेमी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, छह एयरबैग को दिया गया है। वहीं GT Plus Sport स्मोक्ड हेडलैंप, कार्बन स्टील ग्रे रूफ, ग्रिल, फेंडर और रियर प्रोफाइल पर रेड जीटी ब्रांडिंग, डार्क क्रोम डोर हैंडल और फ्रंट एक्सल पर रेड ब्रेक कैलिपर्स दिए गए हैं। ये ग्रिल, डिफ्यूजर, ट्रैपेजॉइडल विंग, नए 17 इंच के अलॉय व्हील और फेंडर बैज जैसे कई एलीमेंट को ब्लैक-आउट फिनिश के साथ दिया जा रहा है।

कितना दमदार इंजन

फॉक्सवैगन ताइगुन जीटी प्लस स्पोर्ट में 1.5 लीटर टीएसआई ईवो इंजन दिया गया है। जिसके साथ छह स्पीड मैनुअल और सात स्पीड डीएसजी ट्रांसमिशन का विकल्प मिलता है। ताइगुन टीजी लाइन में कंपनी ने एक लीटर का टर्बोचार्ज टीएसआई इंजन दिया है। इसके साथ छह स्पीड मैनुअल और छह स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है।

कितनी है कीमत

कंपनी की ओर से ताइगुन जीटी लाइन के मैनुअल ट्रांसमिशन वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 14.08 लाख रुपये है। इसके ऑटोमैटिक वेरिएंट को 15.63 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है। वहीं ताइगुन के जीटी प्लस स्पोर्ट वेरिएंट की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 18.54 लाख रुपये है। इसके डीएसजी टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 19.74 लाख रुपये तय की गई है।

टोयोटा फॉर्च्यूनर का नया लीडर एडिशन हुआ लॉन्च, कैसी हैं खूबियां

नई दिल्ली। फुल साइज एसयूवी सेगमेंट में Toyota Fortuner को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। कंपनी की ओर से इस एसयूवी का नया Leader Edition भारत में लॉन्च किया गया है। एसयूवी के नए एडिशन में किस तरह की खूबियों को दिया जा रहा है।

Toyota Fortuner का Leader Edition हुआ लॉन्च

टोयोटा की ओर से फॉर्च्यूनर एसयूवी का Leader एडिशन भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इस एडिशन में कुछ खास बदलाव किए हैं। जिनको एक्सटीरियर और इंटीरियर में देखा जा सकता है।

क्या हैं खूबियां

फॉर्च्यूनर के नए एडिशन में कंपनी की ओर से फ्रंट और रियर स्पॉयलर दिए गए हैं। इसके साथ ही Leader Edition में काले रंग के अलॉय व्हील्स, टीपीएमएस, ड्यूल टोन पेंट स्कीम को दिया जा रहा है। इंटीरियर में भी ड्यूल टोन सीट को भी दिया गया है। नए एडिशन के साथ फॉर्च्यूनर में वायरलैस चार्जर, ऑटो फोलडिंग मिरर को भी दिया गया है।

कंपनी के अधिकारियों ने कही यह बात

टोयोटा किर्लोसकर के वीपी सबरी मनोहर ने कहा कि हम जो कुछ भी करते हैं उसके केंद्र में हमारे ग्राहक होते हैं। बेहतरीन सुविधाओं और ड्राइविंग अनुभवों के लिए उनकी बढ़ती प्राथमिकताएं और इच्छाएं हमारी निरंतर खोज को प्रेरित करती हैं। फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन को पावर और स्टाइल की एक अद्वितीय भावना प्रदान करते हुए, ज्यादा ऐड-ऑन सुविधाओं के साथ अपने बोल्ड स्टाइल स्टेटमेंट को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन अपने सेगमेंट में सर्वोत्तम पेशकश देने, पावर और स्टाइल के साथ आगे बढ़ने में टोयोटा की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

हम भारत में फॉर्च्यूनर के उत्साही प्रशंसकों के हमारे ब्रांड में विश्वास के लिए उनके प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। हम एसयूवी के शौकीनों को फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन के साथ उत्साहित करना जारी रखेंगे, जो बोल्ड एक्सटीरियर डिजाइन, आकर्षक और आरामदायक इंटीरियर और 'लीड इन पावर' के लिए उन्नत हाई-टेक फीचर्स की पेशकश करेगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बढ़ने का परिदृश्य

डा. जयंती लाल भंडारी

यह अभूतपूर्व खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था नए भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बहुआयामी उपयोगिता देते हुए दिखाई देगी। हम उम्मीद करें कि लोकसभा चुनाव के बाद गठित होने वाली नई सरकार कृषि एवं ग्रामीण विकास के साथ-साथ कृषि सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी...

हाल ही में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के तेजी से बढ़ते हुए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है। बढ़ते हुए कृषि उत्पादन और ग्रामीण बाजारों में मांग बढने से निजी खपत में भी तेजी आ रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और प्रमुख मौसम एजेंसी स्काईमेट ने कहा है कि अनुकूल मानसूनी मौसम के कारण इस वर्ष 2024 में भारत में अच्छी वर्षा के स्पष्ट संकेत खेती और भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसी प्रकार हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा कहा गया है कि इस वर्ष 2024 में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के सामान्य रहने की उम्मीद है जिससे कृषि गतिविधियों में और तेजी आएगी। ग्रामीण बाजारों में भी मांग बढने से अर्थव्यवस्था को तेज गति मिलेगी। गौरतलब है कि विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण अधिक खर्च कर रहे हैं। गांवों में न केवल कृषि संबंधी संसाधनों की अधिक बिक्री हो रही है, वरन गांवों में फ्रिज, दोपहिया वाहन और टीवी की खरीददारी में सबसे उच्च स्तर पर है। यह सब ग्रामीण भारत में भविष्य के प्रति उत्साह और वर्तमान के बेहतर परिणामों का प्रतीक है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत में पिछले एक दशक में शहरी परिवारों के मुकाबले ग्रामीण परिवारों का खर्च तेजी से बढ़ा है। ग्रामीण भारत के विकास के लिए सरकारी योजनाओं के तहत किए गए भारी व्यय, ग्रामीणों के रोजगार की मनरेगा योजना तथा स्वरोजगार की ग्रामीण योजनाओं से ग्रामीण परिवारों की आमदनी में तेज इजाफे के साथ उनकी क्रय शक्ति और मांग में भारी इजाफा हुआ है। इससे ग्रामीण भारत की आर्थिक ताकत में इजाफा हुआ है। यद्यपि अभी आम चुनाव के बाद जून 2024 में गठित होने वाली नई सरकार के मूर्तरूप लेने में कोई दो माह बकाया है, लेकिन उच्च प्रशासनिक स्तर पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के मकसद से जिन क्षेत्रों के लिए आगामी पांच सालों के लिए प्रभावी रणनीति बनाई जाना शुरू की गई है, उनमें कृषि भी प्रमुख है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय पूरी दुनिया में भारत को खाद्यान्न का नया वैश्विक कटोरा माना जा रहा है। भारत दुनिया का तीसरा बड़ा खाद्यान्न उत्पादक देश है। दुनिया में भारत सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना हुआ है। गेहूं तथा फलों के उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर तथा सब्जियों के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। विश्व स्तर पर भारत केला, आम, अमरूद, पपीता, अदरक, भिंडी, चावल, चाय, गन्ना, काजू, नारियल, इलायची और काली मिर्च आदि के प्रमुख उत्पादक के रूप में जाना जाता है। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। निश्चित रूप से पिछले 10 वर्षों में कृषि एवं ग्रामीण विकास का नया आधार तैयार हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र का योगदान करीब 15 फीसदी है।

सरकार के द्वारा ग्रामीण एवं कृषि विकास के लिए एक के बाद एक रणनीतिक कदम उठाए गए हैं। कृषि बजट में 10 वर्षों में 5 गुना वृद्धि हुई है। किसानों के सशक्तिकरण, फसलों के लिए किसानों को लाभप्रद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिए जा रहे हैं। सरकार के द्वारा 11 करोड़ से अधिक किसानों के जनधन खातों में पीएम किसान सम्मान निधि के तहत करीब 3 लाख करोड़ रुपए सीधे हस्तांतरित होने जैसे प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में उर्वरक, बीज, कृषि, रसायन, ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण, जैसी कृषि क्षेत्र से जुड़ी हुई वस्तुओं के अधिक उपयोग से किसानों को लाभ हुआ है और इन सबसे जहां एक ओर भारत में कृषि क्षेत्र अधिक प्रतिस्पर्धी एवं लाभदायक बन रहा है, वहीं दूसरी ओर छोटे किसान अधिक लाभान्वित हो रहे हैं। जहां कोविड-19 की आपदाओं से लेकर अब तक भारत वैश्विक स्तर पर दुनिया के जरूरतमंद देशों की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहा है, वहीं भारत ने दुनियाभर में कृषि उत्पादों के निर्यात बढ़ाने का अवसर भी मुठ्ठियों में लिया है। भारत से कृषि निर्यात लगातार बढ़ते जा रहे हैं। भारत से अनाज, गैर-बासमती चावल, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज के अलावा फलों एवं सब्जियों के निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई है। भारत के कृषि उत्पादों के बड़े बाजारों में अमरीका, चीन, बांग्लादेश, वियतनाम, इंडोनेशिया, नेपाल, ईरान और मलेशिया शामिल हैं। कई छोटे देशों के बाजार भी मुठ्ठियों में आए हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व बाजार में भारत के मसालों की खुशबू की धमक बहुत अधिक बढ़ी है। चूंकि देश में मसाले की खेती में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाता है, अतएव इसका असर वैश्विक बाजार में भारतीय मसालों की निर्यात मांग बढने के रूप में रेखांकित हो रहा है। इस समय दुनिया में कृषि निर्यात में भारत का स्थान सातवां है। भारत से करीब करीब 50 हजार डॉलर से अधिक मूल्य का कृषि निरयात होता है।

खाद्य प्रसंस्करण में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां निर्यात में वृद्धि नहीं हुई है। इस समय भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 12 लाख टन से बढक़र दो सौ लाख टन हो गई है। पिछले नौ वर्षों में खाद्य प्रसंस्करण निर्यातों में 15 गुना वृद्धि हुई है। निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13 से बढक़र 23 प्रतिशत हो गई है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत पांच क्षेत्र हैं। एक डेयरी क्षेत्र, दो फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, तीन अनाज का प्रसंस्करण, चार मांस मछली एवं पोल्ट्री प्रसंस्करण तथा पांच, उपभोक्ता वस्तुएं पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ। खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के यह भी उल्लेखनीय हैं कि इन प्रमुख पांचों क्षेत्रों की व्यापक संभावनाओं को मुठ्ठियों में करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इससे ग्रामीण भारत लाभान्वित हो रहा है। यह बात महत्वपूर्ण है कि फरवरी 2024 में भारत के द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबूधाबी में आयोजित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा, खाद्यान्नों के सार्वजनिक भंडारण एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के स्थायी समाधान के लिए जिस तरह प्रभावी पहल की, उसके कारण इस सम्मेलन में इन मुद्दों पर कई विकसित देश भारत के किसानों के हितों के प्रतिकूल कोई प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ा पाए।

ऐसे में अब भी भारत अपने किसानों के उपयुक्त लाभ के लिए नीतियां बनाते हुए खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक भंडारण की सुविधा से कृषि और ग्रामीण विकास के अभियान को आगे बढ़ा सकेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी 2024 को सरकार ने सहकारी क्षेत्र में दुनिया की जिस सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना के लिए प्रायोगिक परियोजना के तहत जिन 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को लक्षित किया गया है, उनके माध्यम से पैक्स की किसानों के हित में बहुआयामी भूमिका होगी। ऐसे में नई खाद्यान्न भंडार योजना के माध्यम से देश में खाद्यान्न भंडारण की जो क्षमता फिलहाल 1450 लाख टन की है, उसे अगले 5 साल में सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करके कुल खाद्यान्न भंडारण क्षमता 2150 लाख टन किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभूतपूर्व खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था नए भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बहुआयामी उपयोगिता देते हुए दिखाई देगी। हम उम्मीद करें कि लोकसभा चुनाव के बाद गठित होने वाली नई सरकार कृषि एवं ग्रामीण विकास के साथ-साथ कृषि सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी और इससे किसानों व ग्रामीण भारत के चेहरे पर मुस्कुराहट बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगी। इस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि में व्यापक विकास के आसार हैं।

संपादक की कलम से

पालमपुर शहर की चीखें

नंगे दराट पर खून की धार जिस सार्वजनिक स्थान पर फूटी, वहां समाज, संस्कृति, शासन-प्रशासन और कानून व्यवस्था की नंगई सामने आ गई। पालमपुर शहर की चीखें उस वक्त शिमला तक जरूर पहुंची होंगी, जब असहाय बेटी एक दरिंदे के सामने जान बचाने की कोशिश कर रही थी। कोशिश तो धीरा के गांव में उस औरत ने भी की होगी, जिसकी एक दिन पहले गला रेत कर हत्या कर दी थी। हैरानी यह कि पालमपुर बस स्टैंड जैसी व्यस्त जगह में भी अपराध की टोह में एक बेटी पर घातक प्रहार इसलिए हो गए, क्योंकि कानून व्यवस्था कानों में रुई और आंखों पर काली पट्टी बांध कर अमन-चैन की सूचना देने में मशगूल है। इसी पालमपुर के व्यवसायी ने पुलिस महकमे के शिखर से हर स्रोत तक की शिकायत जब की थी, तो यह एक बुरा अनुभव मान कर औपचारिक कार्रवाई बन गई। मामला डीजीपी और एसपी की ट्रांसफरों तक सिमट कर अदालती हो गया, जबकि अंधी आंखों को भी ऐसे साक्ष्य मिल रहे हैं कि पुलिस व्यवस्था की तासीर में अब खोट उभर रहा है या अब ढर्रा बदलना पड़ेगा। अपराध निरंकुश व बहरूपिया बन कर खतरे बढ़ा रहा है, लेकिन हम राजनीतिक राजाओं और आकाओं की खिदमत में भूल गए कि कानून की असली चुनौतियां हैं कहां। कहीं कांग्रेस छोड़ चुके पूर्व विधायकों को केंद्रीय सुरक्षा बलों के पहरे मिल रहे हैं, तो कहीं सरकार के ओहदेदारों की प्रदेश पुलिस हिफाजत में लगी है।

होती होगी पुलिस अलर्ट जब सत्ता के काफिलों में कलगियों की रक्षा की जाती है या सारा अमला जब बैठकें करता होगा, तो कानून के हर पहलू को जगाया जाता होगा, वरना टोटे-टोटे लाशें और सूटा-सूटा नशा हमारे परिवेश में खतरे की घंटियां बजा रहा है। राजधानी शिमला तक चिट्टे की सप्लाई अगर कूरियर से हो रही है, तो इस नेटवर्क की किलेबंदी में न जाने कितने कसूरवार हैं और तब हम अपनी युवा पीढ़ी को बचाएंगे कैसे। यकीनन दरिंदे के हाथों से कुछ दिलेर लोगों ने बेटी बचा ली, वरना कोसने के सिवा क्या मिलता। आश्चर्य है कि कुछ वर्ष पूर्व गुडिया कांड की सलाखों में दर्ज और अपमानित कानून व्यवस्था ने आज तक कुछ ऐसा नहीं किया कि अपराध बार-बार इस तरह गले पड़ रहा होता। कानून व्यवस्था के वर्तमान में सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पक्ष को आज के परिप्रेक्ष्य में गंभीरता से लेना होगा। शहरी, ग्रामीण व हिमाचल के सीमांत क्षेत्रों की कानून व्यवस्था के पहरे सशक्त करने की दृष्टि से पुलिस बंदोबस्त की नई व्याख्या जरूरी है। प्रदेश के कुछ जिलों व शहरों की कानून व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए पुलिस आयुक्तालयों की स्थापना के साथ ग्रामीण, ट्रैफिक, पर्यटन व सीमांत क्षेत्रों के लिए अलग से इंतजाम करने पड़ेंगे।

शहरी, ट्रैफिक व पर्यटन पैट्रोलिंग के लिए सख्त निर्देश व आवश्यक नियुक्तियां जरूरी हैं। पालमपुर के दराट कांड में अगर बिटिया चीख रही थी, तो उसकी चीखें पुलिस व्यवस्था तक क्यों नहीं पहुंची। हम भाईचारे में कानून-व्यवस्था को कब तक चलाएंगे। शहरों में बाइपास होते हुए भी अगर ट्रैफिक पुलिस का नियंत्रण सही से निर्देशित नहीं करता तो इसका शायद ही कोई समाधान हो। ट्रैफिक के बीच युवा बाइकर जिस तरह परिवहन को असुरक्षित बना रहे हैं, वहां पुलिस महकमे का एक्शन है कहां। पर्यटन, समाज और सडक़ की भीड़ अगर अनियंत्रित छोड़ दी जाए, तो कानून के हाथ-पांव काटने के लिए कोई न कोई दराट चला देगा। पालमपुर के घटनाक्रम से कानून-व्यवस्था, समाज और पुलिस प्रशासन को अनेक सबक मिल रहे हैं। ऐसे में पालमपुर में पीड़ित बेटी को बचाती हुई जो लडक़ी बहादुरी से कर्म की नई परिभाषा लिख पाई, उसके लिए अभिभावकों को सलाम।

ज्ञान

शव संवाद-40

गोल-गप्पा जबसे खुद को पुरुष मानने लगा है, उसका जीवन औरत के मुंह में फंस गया है। हर वक्त फूला फूला सा रहता है। ढेर सारा खाता है, फिर भी उदास रहता है। इसे निगलने को हर कोई तैयार रहता है। बुद्धिजीवी ने हर बार अपने हालात को गोल गप्पे के करीब पाया। जब भी कोई सेंकता है या गर्माहट के आंचल में उबालता है, यह फूल जाता है। बुद्धिजीवी कब नहीं फूला और कब फूला नहीं समाया। हर बार सरकार के परिवर्तन पर फूला फूला सा रहा। सच मानो यह तो इंदिरा की इमरजेंसी की घोषणा पर भी फूला था, लेकिन फिर इसके अंग, ढंग और रंग जिस तरह फुलाए गए, इसके सामने अपने खोट आ गए। हद यह कि इसने इमरजेंसी का पीछा नहीं छोड़ा। हटी तो भी खुशियां मनाई। इसके पास खुशियां मनाने के कई रिकार्ड हैं। स्वच्छता रैली के बाद या तो गोल गप्पा फूला या बुद्धिजीवी। वैसे स्वच्छता का संदेश गोल गप्पे से ज्यादा कौन देगा। किसी भी रेहड़ी पर जाइए तो देखेंगे कि भारतीय जनमानस गोल गप्पे पर जितना विश्वास करता है, उतना अपनी सरकार पर भी नहीं करता। गोल गप्पा बनाने व खिलाने वाले के हाथ पर तो इतना विश्वास है जितना चुनाव के बांड जारी करने वाले पर भी नहीं। न हम गोल गप्पे का कद देखते और न ही बेचने वाले के हाथ। जिस तरह इलेक्टोरल बांड पुलिंग है, उसी तरह गोल गप्पा भी पूरी तरह पुरुष, लेकिन इन दोनों का उपयोग स्त्रीलिंग ज्यादा करता है। औरतों ने गोल गप्पे की जात का सबसे ज्यादा उपयोग किया और इसी तरह राजनीतिक पार्टियों ने चुनावी बांड का इस्तेमाल किया। दोनों की तासीर में खाने वाले का ललचाना लिखा हुआ है। न बेचने वाले के पास और न खरीदने वाले के पास कभी गोल गप्पा बचा और अब यही स्थिति इलेक्टोरल बांड की है। जिन्होंने खरीदे, उन्हें यह भी पता नहीं कि रेहड़ी है किसकी और जिन्होंने बेचे उन्हें यह भी मालूम नहीं कि व्यापार है कितना।

खैर गोल गप्पों ने भारत में न समुदाय और न जातीय भेद के आधार पर स्वाद बदला। स्वाद इसकी अस्मिता है, लेकिन बेस्वादे इलेक्टोरल बांड की कोई अस्मिता नहीं। पहले यह जिंदा था तब इसकी ताकत का अंदाजा चुनाव आयोग को भी नहीं था। इसकी अस्मिता चुनाव पर भारी थी, बल्कि चुनाव की अस्मिता चुरा कर ही इलेक्टोरल बांड ताकतवर बना। खैर उस दिन गोल गप्पे खाकर बुद्धिजीवी ने जैसे ही पार्टी मुख्यालय के सामने खट्टी डकार ली, सामने एक नेता चीखने लगा अब अंगूर नहीं, खट्टे हो गए इलेक्टोरल बांड। वाकई वहां इलेक्टोरल बांड के स्वाद से कई नेता अब दांत खट्टे कराने से बचकर भाग रहे थे। आगे नेता, पीछे बांड, दोनों के पीछे बुद्धिजीवी और सबसे पीछे देश भाग रहा था। कौन किसके दांत खट्टे करने से बच रहा था, यह किसी को मालूम नहीं था। अंततः सबसे पहले देश थक कर रुक गया, फिर बुद्धिजीवी थक कर हार गया और इसके बाद इलेक्टोरल बांड भी अपनी निर्लज्जता के आगे नहीं जा सका, लेकिन नेता इस परिदृश्य से गायब कह रहा था, 'भाइयो-बहनो! मैं भ्रष्टाचार मिटाने के लिए भाग रहा हूं। मेरे हाथ की सफाई देखो, मैं अकेला रहा, जो ढह गए भ्रष्टाचारी थे।' बुद्धिजीवी ने देश को समझाना चाहा कि उसका इरादा नेताओं से भिन्न है। यह सुनकर इलेक्टोरल बांड ने कांपते-कांपते और जान देते हुए कहा, 'मैं इसलिए नहीं मरा कि मेरा कसूर गंदा था। मैं इसलिए मरा कि मेरा दस्तूर गंदा था।' देश के लिए बुद्धिजीवी ने फिर एक प्रयास किया। सांत्वना दी कि भ्रष्टाचार के आरोप में चुनावी बांड मर गया, लेकिन देश दूर से राष्ट्र की बात कर रहे नेता से डर रहा था, क्योंकि इस बार भी उसकी ही जेब कटी थी।

पृथ्वी दिवस का बढ़ता महत्त्व

कुलभूषण उपमन्यु

भारत में 2030 तक 500 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। इसे हम प्राप्त कर सकेंगे। किंतु बड़े ऊर्जा पार्क बनाकर स्थानीय संसाधनों पर कुछ जगहों पर ज्यादा दबाव पड़ जाता है, जिससे रोजी-रोटी के संसाधन छिन जाते हैं'

1962 में राचेल कार्सन ने 'साइलेंट स्प्रिंग' नामक पुस्तक लिखी जिसमें पर्यावरण को कीटनाशकों द्वारा हो रहे नुकसान की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। कीटनाशकों की कुछ मात्रा अनाजों में आ जाती है और खाद्य श्रृंखला में दाखिल हो जाती है जिसका दुष्प्रभाव मानव जाति के अतिरिक्त अन्य पशु-पक्षियों पर भी पड़ जाता है जिसके कारण कई पक्षी प्रजातियां लुप्त हो रही थीं जिनके बिना वसंत का सौंदर्य ही समाप्त हो रहा है। पुस्तक इतनी प्रसिद्ध हुई कि बेस्ट सेलर बन गई। इससे अमरीका में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी। 1969 में जब दक्षिणी कैलिफोर्निया के तट पर खनिज तेल दुर्घटनावश गिर गया तो सेनेटर गेलोर्ड नेल्सन ने उस क्षेत्र का दौरा करके समुद्री जीवों की तबाही देखी, जो समुद्र के पानी पर तेल के फैलने के कारण हुई थी। नेल्सन ने इस मुद्दे पर जागरूकता फैलाने के लिए 'टीच इन' कार्यक्रम कॉलेजों में आयोजित किए। डेनिस हेस और अन्य आंदोलनकारियों के साथ मिल कर इस जागरूकता अभियान को राष्ट्रीय स्तर पर् रफैलाने का निश्चय किया गया, जिसकी शुरुआत 22 अप्रैल 1970 को राष्ट्रव्यापी स्तर पर की गई और इस दिन को पृथ्वी दिवस का नाम दिया गया। यानी पृथ्वी के स्वास्थ्य की चिंता करने का दिन। इस कार्यक्रम को भारी जनसमर्थन मिला। इससे बने दबाव के चलते ही अमरीका में 'शुद्ध वायु कानून' और 'शुद्ध जल कानून' पारित हुए। इसे वर्तमान पर्यावरण आंदोलनों की शुरुआत भी माना जाता है। धीरे-धीरे पृथ्वी दिवस को वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा।

इस समय तक 192 देशों में पृथ्वी दिवस मनाया जाता है, ताकि पृथ्वी के पर्यावरण को हो रही हानियों के प्रति जागरूकता फैले और हमारे रहन-सहन, उत्पादन पद्धतियां और कायदे कानून पर्यावरण मित्र विकास की दिशा में मुड़ें। सन् 2000 से पृथ्वी दिवस को जलवायु परिवर्तन की दिशा में लक्षित किया गया है। जलवायु परिवर्तन वर्तमान में पर्यावरण की मुख्य समस्या बनती जा रही है। इसकी ओर ध्यान देना जरूरी हो गया है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस का विषय वस्तु 'पृथ्वी ग्रह बनाम प्लास्टिक' रखा गया है। प्लास्टिक मिट्टी, पानी और वायु का प्रदूषक बनता जा रहा है। जमीन पर पड़े हुए प्लास्टिक से धूप के कारण अपर्दन से टूट कर सूक्ष्म कण मिट्टी में मिल जाते हैं और मिट्टी के उपजाऊपन को नष्ट करने का काम करते हैं। पानी में मिल कर मछलियों के शरीर में पहुंच कर खाद्य श्रृंखला का भाग बन कर मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बन जाते हैं। जलाए जाने पर वायु में अनेक विषैली गैसें वायुमंडल में छोड़ते हैं जिससे वैश्विक तापमान वृद्धि के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं। प्लास्टिक दैनिक जीवन का ऐसा भाग बन गया है कि इससे बचना बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। प्लास्टिक का प्रयोग कम करना, पुनर्चक्रीकरण, और जो बच जाए उसको उत्तम धुआं रहित प्रज्वलन तकनीक से ताप विद्युत बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। हालांकि इससे भी थोड़ा गैस उत्सर्जन तो होता है, किन्तु जिस तरह शहरी कचरा डंपिंग स्थलों में लगातार लगने वाली आग और गांव में खुले में जलाया जा रहा प्लास्टिक धुआं फैलता जा रहा है, उससे तो यह हजार गुणा बेहतर है। स्वीडन ने तो यूरोप के अनेक देशों से सूखा कचरा आयात करके उससे बिजली बनाने का व्यवसाय ही बना लिया है।

उसके पास जो तकनीक है उसमें केवल दशमलव दो (.2) प्रतिशत ही गैस उत्सर्जन होता है। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में पैकिंग सामग्री तैयार करना नवाचार की दूसरी चुनौती है। गांव में भी अब तो प्लास्टिक कचरे के अंबार लगते जा रहे हैं। आधुनिक दैनिक प्रयोग की तमाम वस्तुएं प्लास्टिक में ही पैक होकर आ रही हैं। प्लास्टिक के पुनःचक्रीकरण के लिए यह जरूरी है कि प्लास्टिक और अन्य सूखा कचरा अलग अलग इकट्ठा किया जाए और कबाड़ी को दिया जाए। जो बच जाए उसे निबटाने के दूसरे सुरक्षित तकनीकी उपायों की सरकारें व्यवस्था करें। एक विचार यह भी जोर पकड़ रहा है कि जो पैदा करे, वही कचरे के प्रबंधन का जिम्मेदार ठहराया जाए, ताकि ये पैकिंग करके सामान बेचने वाली कंपनियां पैकिंग सामग्री एकत्रित करवा कर वापस लें और रीसाइक्लिंग की व्यवस्था करें। किन्तु केवल प्लास्टिक ही जलवायु परिवर्तन का कारक नहीं है। रासायनिक कृषि के कारण भी भूमि की जैविक पदार्थ धारण करने की क्षमता समाप्त हो जाती है, जिससे कार्बन पदार्थ का भूमि में संचय नहीं होता। दूसरा भूमि की उपजाऊ शक्ति भी कम हो जाती है। जैविक कृषि को प्रोत्साहित करके और वैज्ञानिक आधार पर विकसित करके इस समस्या से निपटा जा सकता है। भारत में इस दिशा में कुछ काम होना शुरू भी हुआ है, किन्तु इसे अभी तक मुख्य धारा बनाने में सफलता नहीं मिली है, जिसके लिए अधिक वैज्ञानिक शोध की जरूरत है ताकि रासायनिक विधि के बराबर ही उत्पादन करके दिखाया जाए और अन्न सुरक्षा की चुनौती पर कोई खतरा आने की चिंता न रहे। जलवायु परिवर्तन में मुख्य भूमिका ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र की है।

हमारे देश में कुल विद्युत उत्पादन 428 गीगावाट है, जिसमें से 71 फीसदी कोयले और जीवाश्म ईंधन से हो रहा है। स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन 168.96 गीगावाट है, जिसमें से 42 गीगावाट जल विद्युत का उत्पादन है। किन्तु जल विद्युत भी जब बड़े बांधों के माध्यम से बनाई जाती है तो जलाशयों में बाढ़ से संचित जैव पदार्थ आक्सीजन रहित सडऩ द्वारा मीथेन गैस का उत्सर्जन करते हैं। मीथेन कार्बन डाईआक्साइड से छह गुणा ज्यादा वैश्विक तापमान वृद्धि का कारक है। इसलिए एक सीमा से ज्यादा जल विद्युत का प्रसार भी ठीक नहीं। सौर ऊर्जा एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही है। भारतवर्ष में पिछले कुछ सालों में सौर ऊर्जा उत्पादन में अच्छा काम हुआ है। भारतवर्ष में 2030 तक 500 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। आशा है इसे हम प्राप्त कर सकेंगे। किन्तु बड़े ऊर्जा पार्क बना कर स्थानीय संसाधनों पर कुछ जगहों पर ज्यादा दबाव पड़ जाता है, जिससे कई समुदायों की रोजी-रोटी के संसाधन छिन जाते हैं। इसके विरुद्ध कई आवाजें उठती रहती हैं और संघर्ष खड़े हो जाते हैं। इन जायज संघर्षों का अक्सर शासन और प्रशासन स्थानीय समुदायों की कठिनाई को समझकर समाधान नहीं करते।

'खामोश चुनाव' के मायने

आम चुनाव, 2024 के प्रथम चरण का मतदान कई मायनों में अप्रत्याशित रहा है। कुल मतदान शनिवार की रात्रि 11 बजे तक करीब 65.5 फीसदी रहा। यह 2019 की तुलना में 4 फीसदी कम रहा है। सबसे अधिक मतदान संघशासित क्षेत्र लक्षद्वीप में 84.16 फीसदी किया गया। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और सिक्किम में 80 फीसदी से ज्यादा मतदान हुए, लेकिन फिर भी 2019 की तुलना में 2 फीसदी तक कम हुए। सिर्फ छत्तीसगढ़ में 2 फीसदी मतदान ज्यादा किया गया। जम्मू-कश्मीर सरीखे संवेदनशील क्षेत्र में 68.27 फीसदी मतदान शानदार माना जा सकता है, लेकिन वहां भी 2019 से 1.88 फीसदी मतदान कम हुआ। सबसे कम मतदान बिहार की सीटों पर 49 फीसदी से कुछ ज्यादा रहा, लेकिन 4 फीसदी कम मतदाता वोट देने घर से निकले। उप्र और उत्तराखंड जैसे भाजपा वर्चस्व के राज्यों में 5-6 फीसदी मतदान कम किया गया। मध्यप्रदेश, राजस्थान और मिजोरम आदि राज्यों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। इनसे भाजपा के 370 और 400 पार वाले लक्ष्यों को ठेस पहुंच सकती है, क्योंकि भाजपा उत्तरी भारत में ही शानदार जनादेश के भरोसे है।

दक्षिण, पूर्व, पश्चिम में सब कुछ अनिश्चित है। हालांकि मध्यप्रदेश में 67.76 फीसदी मतदान हुए, लेकिन ये 7.31 फीसदी कम रहे। क्या मतदाताओं में भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी को जनादेश देने का उत्साह और जुनून कम हो गया है? पूर्वोत्तर में दो विरोधाभास उभर कर सामने आए हैं। मणिपुर में हिंसा के बावजूद 72.17 फीसदी लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया, लेकिन टूटी ईवीएम, लुटे बूथ, फटी वीवीपैट पर्चियों के चित्र मणिपुर में ही देखे गए हैं, जिनसे मतदान के दौरान हालात के अनुमान लगाए जा सकते हैं। पूर्वोत्तर में ही नागालैंड राज्य में 4 लाख मतदाताओं से अधिक, राज्य के करीब 30 फीसदी वोटरों ने, 6 जिलों की 20 विधानसभा सीटों पर, बहिष्कार के कारण एक भी वोट नहीं डाला। वे अधिक स्वायत्तता वाले अलग क्षेत्र की मांग करते रहे हैं और केंद्र सरकार फिलहाल उसमें नाकाम रही है, लिहाजा उन्होंने चुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया था। फिर भी 56.91 फीसदी मतदान हुआ। बेशक 2019 की तुलना में वह 26 फीसदी कम रहा। मणिपुर में भी 10.52 फीसदी मतदान कम हुआ। समग्रता में देखें, तो आम चुनाव के प्रथम चरण में 16 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मताधिकार का इस्तेमाल करना था, लेकिन 6.12 करोड़ भारतीयों ने वोट ही नहीं डाले। यह चुनाव के प्रति उदासीनता है या मतदाताओं को चुनाव दिशाहीन, अर्थहीन लगते हैं? यह सोच लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ भी है। जितना मतदान किया गया है, वह न तो सरकार के खिलाफ माना जा सकता है और न ही विपक्ष को चुनने के प्रति उत्साही और उत्सुक लगता है।

किसी भी तरफ 'लहर' महसूस नहीं हुई। ऐसा लगता है मानो औसत मतदाता ने यह धारणा बना ली है कि मोदी को ही आना है! यह सोच कर ही मतदाता पोलिंग स्टेशन से तटस्थ रहा है। कुछ मुस्लिम बहुल इलाकों की खबरें सामने आई हैं कि उन्होंने भी मोदी को ही तीसरी बार प्रधानमंत्री मान लिया है, लिहाजा कोई भी ध्रुवीकरण दिखाई नहीं दिया। हमने मतदान के इस चरण को 'खामोश और भ्रमित चुनाव' माना है। कुछ जगह की खबरें हैं कि भाजपा के जिन कार्यकर्ताओं और नेताओं पर मतदान कराने और चुनावी जीत तय कराने की जिम्मेदारी थी, वे आराम से पंचतारा होटल में खाना खाते रहे। यदि ऐसा है, तो प्रधानमंत्री की लोकप्रियता और उनके आह्वान दांव पर लगते हैं। इस चरण से पहले 38 फीसदी पात्र युवाओं ने ही निर्वाचन आयोग में अपना पंजीकरण कराया। साफ है कि युवा चुनाव के प्रति उत्साही नहीं है। बहरहाल अभी तो मतदान के छह और चरण शेष हैं। गर्मी का मौसम भी ज्यादा गर्म और लू वाला होना है। कई जगह मई में ही बारिश की शुरुआत हो सकती है, लिहाजा मौसम के कारण इतना मतदाता घर से न निकले, समझ में नहीं आता। हमें लगता है कि चुनाव प्रधानमंत्री मोदी पर ही केंद्रित रखा गया है, लिहाजा बेरोजगारी, महंगाई, राम मंदिर सरीखे मुद्दे शांत से लगते रहे। क्या मतदान का यह 'ठंडापन' यहीं समाप्त होगा, यह अहम सवाल है। नागालैंड में बड़े पैमाने पर चुनाव का बहिष्कार लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। इस राज्य की मांगों पर सहानुभूति के साथ विचार होना चाहिए था। न जाने केंद्र सरकार कब तक मणिपुर व नागालैंड जैसे राज्यों की अनदेखी करती रहेगी।

अयोध्या ने बढ़ाया आध्यात्मिक पर्यटन का बाजार? विदेश नहीं, धर्म स्थलों पर जाना ज्यादा पसंद कर रहे लोग

परिवहन विशेष न्यूज

भारत के लोग अब घूमने–फिरने में पहले के मुकाबले अधिक दिलचस्पी दिखा रहे हैं। वे खासकर अयोध्या उज्जैन औ बद्रीनाथ जैसे आध्यात्मिक स्थलों पर जाना चाहते हैं। इन जगहों के लिए सर्च में बड़ा उछाल देखा गया है। फैमिली ट्रैवल बुकिंग भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे लोगों की संख्या में भी इजाफा हुआ है जो एक साल में तीन या इससे अधिक बार ट्रिप पर जा रहे हैं।

नई दिल्ली। भारत के लोग अब घूमने-फिरने में पहले के मुकाबले अधिक दिलचस्पी दिखा रहे हैं। वे खासकर अयोध्या, उज्जैन औ बद्रीनाथ जैसे आध्यात्मिक स्थलों पर जाना चाहते हैं। इन जगहों के लिए सर्च में बड़ा उछाल देखा गया है। यह बात MakeMyTrip इंडिया ट्रैवल ट्रेंड्स रिपोर्ट में सामने आई है।

इस ट्रैवल प्लेटफॉर्म ने अपने 10 करोड़ से अधिक सालाना एक्टिव यूजर्स के पसंद के हिसाब से यह जानकारी दी। MakeMyTrip की रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे लोगों की संख्या में 25 प्रतिशत इजाफा हुआ है, जो एक साल में तीन या इससे अधिक ट्रिप पर जा रहे हैं।

अगर ट्रैवल में लोगों का रुझान बढ़ रहा है, तो इसकी बड़ी वजह है, आध्यात्मिक यात्राओं में बढ़ती दिलचस्पी। MakeMyTrip की रिपोर्ट की माने, तो 2021 के मुकाबले 2023 में आध्यात्मिक पर्यटन (spiritual tourism) में 97 प्रतिशत का बड़ा उछाल आया।

अयोध्या के लिए सर्च 585 प्रतिशत बढ़ी

खासकर, टियर 2 और टियर 3 के लोग ऐसी डेस्टिनेशन (Destinations) खोज रहे हैं, जिनकी आध्यात्मिक अहमियत हो। MakeMyTrip की रिपोर्ट बताती है कि 2022 की तुलना में 2023 के दौरान अयोध्या के लिए सर्च करने वाले यात्रियों की संख्या 585 प्रतिशत का भारी-भरकम उछाल आया। इसी तरह उज्जैन और बद्रीनाथ के लिए भी सर्च में क्रमशः 359 प्रतिशत और 343 प्रतिशत की बढ़ेतरी हुई।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि लोग वीकेंड पर भी घूमना काफी पसंद कर रहे हैं। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के सर्च में 2022 की तुलना में 2023 में 131 प्रतिशत का इजाफा हुआ। वहीं, ऊटी और मुन्नार जैसे हिल स्टेशन जैसे देश के दक्षिण हिस्से भी काफी पसंद आ रहे हैं।

फैमिली ट्रैवल बुकिंग में भी भारी उछाल

इंटरनेशनल ट्रैवल के शौकीन सैलानी भी कम नहीं है। लोगों को खासकर दुबई, बैंकॉक और सिंगापुर जाना सबसे अधिक पसंद है। ये तीनों सबसे अधिक सर्च किए जाने वाले डेस्टिनेशन बने हुए हैं। वहीं, लंबी दूरी के लिए लोगों की पसंदीदा डेस्टिनेशन लंदन, टोरंटो और न्यूयॉर्क हैं।

फैमिली ट्रैवल बुकिंग भी तेजी से बढ़ रही है। इसमें 2022 की तुलना में 2023 में 64 प्रतिशत का उछाल आया है। वहीं, इस दौरान सिंगल ट्रैवल की बुकिंग सिर्फ 23 प्रतिशत बढ़ी है।

सारे आर्थिक समीकरण भारत के हक में, क्या बरकरार रह पाएगी 7 प्रतिशत की ग्रोथ रेट?

परिवहन विशेष न्यूज

भारत की इकोनॉमी काफी तेजी से बढ़ रही है। कई प्रतिष्ठित ग्लोबल रेटिंग एजेंसियों ने भारत की ग्रोथ रेट के अनुमान को रिवाइज्ड करके बढ़ाया है। अब रिजर्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) के मेंबर शशांक भिडे का कहना है कि भारत मौजूदा वित्त वर्ष और उसके बाद भी सात प्रतिशत ग्रोथ रेट को बनाए रख सकता है। उन्होंने इसकी कई वजहें भी गिनाई हैं।

नई दिल्ली। पिछली कई तिमाहियों से भारत की आर्थिक विकास दर काफी बेहतर रही है। रिजर्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) के मेंबर शशांक भिडे का मानना है कि भारत मौजूदा वित्त वर्ष और उसके बाद भी सात प्रतिशत ग्रोथ रेट को बनाए रख सकता है।

भारत के पक्ष में समीकरण

शशांक भिडे ने कहा कि मानसून खेती के अनुकूल है, जिससे उपज बेहतर रहने की संभावना है। वहीं भारत का वैश्विक व्यापार भी काफी अच्छा चल रहा है। ऐसे में भारत के लिए 7 प्रतिशत की ग्रोथ रेट बरकरार रखना मुमकिन है।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत ने मैन्युफैक्चरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काफी दमदार प्रदर्शन किया है। ऐसे में पिछले वित्त वर्ष के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी के करीब रहने का अनुमान लगाया जा रहा है।

बढ़ाना होगा उत्पादन

MPC मेंबर भिडे का कहना है कि अगर भारत को लंबी अवधि में खाने-पीने की चीजों का दाम स्थिर रखना है, तो उत्पादकता में सुधार जरूरत रहेगी। पिछले दिनों थोक महंगाई के आंकड़े जारी हुए थे। इसमें सालाना आधार पर मामूली बढ़ोतरी हुई थी। लेकिन, आलू-प्याज जैसी सब्जियों के दाम में भारी उछाल आया है। हालांकि, अल्पकालिक समस्या

वैश्विक तनाव बढ़ा सकते हैं चुनौती

भारत के लिए किस मोर्चे पर चुनौती सबसे अधिक है। इस सवाल पर भिडे ने वैश्विक माहौल का जिक्र किया।

"ग्लोबल डिमांड में सुधार की रफ्तार काफी सुस्त है। साथ ही, सप्लाई चेन के साथ भी दिक्कत है। अगर मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव जल्दी खत्म नहीं होता, तो इससे डिमांड-सप्लाई का समीकरण बिगड़ेगा और कीमतें बढ़ने का जोखिम भी रहेगा। कई बार बाढ़ या सूखे जैसी कुदरती आपदाओं से भी कृषि उत्पादन प्रभावित होता है। हमें इनका प्रभाव कम करने की तैयारी भी करने होगी।

IMF बढ़ा चुका ग्रोथ का अनुमान

पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने भारत के 2024 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया। IMF के मुताबिक- भारत में कामकाजी उम्र वाली आबादी बढ़ रही है। साथ ही, घरेलू मांग भी दमदार बनी हुई है। इनके दम पर भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ेगी।

एशियाई विकास बैंक (ADB) ने भी मौजूदा वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है।

प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में सरकार देती है 2 लाख रुपये तक का इंश्योरेंस

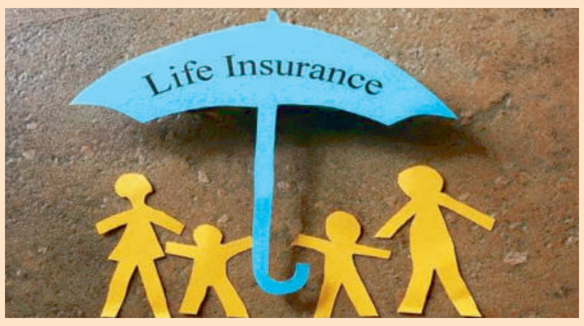

नईदिल्ली। भारत सरकार सभी वर्ग को आर्थिक लाभ देने के लिए कई स्कीम चला रही है। इन स्कीम में से एक प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY) है। यह योजना वर्ष 2015 में शुरू किया गया था। यह एक तरह का लाइफ इंश्योरेंस (Life Insurance) है।

PMJJBY के बारे में

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एक टर्म इंश्योरेंस (Term Insurance) प्लान है। इसका लाभ मृत्यु के बाद पॉलिसी होल्डर के परिवार को मिलता है।

इसका मतलब है कि अगर पॉलिसी होल्डर की बीमारी, दुर्घटना और किसी कारण से मृत्यु हो जाती है तो उसके परिवार को 2 लाख रुपये मिलते हैं। हालांकि, अगर योजना की अवधि पूरी होने तक निवेशक को कुछ नहीं होता है तो उसे लाभ नहीं दिया जाता है।

इस स्कीम का फायदा 18 से 50 साल तक का कोई भी व्यक्ति उठा सकता है। इस योजना में आवेदन के बाद निवेशक चाहें तो ऑटो डेबिट (Auto-Debit) का भी इस्तेमाल कर सकता है।

इस स्कीम में सरकार कम राशि में इंश्योरेंस उपलब्ध करवाती है। इसमें कोई भी नागरिक मात्र 436 रुपये सालाना का निवेश करके 2 लाख रुपये तक का इंश्योरेंस ले सकता है।

2022 से पहले पॉलिसी को खरीदने के लिए केवल 330 रुपये का भुगतान करना होता था, बाद में सरकार ने इसे बढ़ाकर 436 रुपये कर दिया। इस पॉलिसी में दिये जाने वाला प्रीमियम 1 जून से लेकर अगले साल 31 मई तक के लिए मान्य रहता है।

कैसे करें आवेदन

अगर आप भी इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं तो आप किसी भी बैंक या फिर एलआईसी (LIC) ऑफिस में जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा आप ऑनलाइन भी इस योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

ये डॉक्यूमेंट हैं जरूरी

इस योजना में आवेदन करने के लिए आवेदक के पास आधार कार्ड (Aadhaar Card), पैन कार्ड (Pan Card), पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक अकाउंट पासबुक (Bank Account Passbook) और मोबाइल नंबर होना जरूरी है।

सिंगापुर के बाद अब इस देश में भी बैन हुए एमडीएच और एवरेस्ट के ये मसाले, लोगों से इस्तेमाल न करने की अपील

भारत के लोकप्रिय मसाला ब्रांड एमडीएच (MDH) और एवरेस्ट (Everest) के कई मसालों को सिंगापुर में बैन कर दिया गया है। अब इन कंपनी के कुछ मसालों को हांगकांग में भी बैन किया गया है। दरअसल हांगकांग सरकार के सेंटर फ़ॉर फ़ूड सेफ़्टी (CFS) ने अपने रिपोर्ट में कहा था कि इन मसालों में एथिलीन ऑक्साइड कैमिकल पाया गया है जो सेहत के लिए हानिकारक है।

नई दिल्ली। कुछ दिन पहले सिंगापुर के फूड एजेंसी (SFA) ने एक रिपोर्ट पेश किया था। इस रिपोर्ट के बाद सिंगापुर में भारत के लोकप्रिय मसाला ब्रांड एमडीएच प्राइवेट लिमिटेड (MDH) और एवरेस्ट फ़ूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (Everest) के कुछ मसालों को बैन कर दिया गया। अब इन मसालों पर हांगकांग ने भी एक्शन लिया है।

इन दोनों ब्रांड के मसालों में हानिकारक केमिकल पाने के बाद यह एक्शन लिया गया है। हांगकांग स्पेशल एडमिनिस्ट्रेटिव रीजन की सरकार के सेंटर फ़ॉर फ़ूड सेफ़्टी (CFS) ने इन मसालों को लेकर एक रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट्स के अनुसार इन मसालों में कार्सिनोजेनिक कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड केमिकल पाया गया है। यह केमिकल सेहत के लिए काफी हानिकारक है।

इस रिपोर्ट के आने के बाद हांगकांग सरकार ने इन मसालों को बैन कर दिया और लोगों से इन मसालों का इस्तेमाल न करने की अपील की गई। बता दें कि सीएफएस की प्रेस रिलीज 5 अप्रैल 2024 को जारी हुई थी।

ये मसाले हुए बैन

सेंटर फॉर फूड सेफ्टी (CFS) ने एमडीएच का मद्रास करी पाउडर (MDH Madras curry powder), एमडीएच सांभर मसाला (MDH Sambhar Masala), एमडीएच करी पाउडर (MDH Curry Powder), एवरेस्ट का फिश करी मसाला (Everest Fish Curry Masala) को बैन किया है।

पिछले हफ्ते सिंगापुर फूड एजेंसी (एसएफए) ने भी एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों को लेकर रिपोर्ट पेश किया था। इस रिपोर्ट में भी कहा गया कि इन मसालों में भारी मात्रा में एथिलीन ऑक्साइड पाया गया है जो मानव के उपभोग के लिए नहीं है। बता दें कि एथिलीन ऑक्साइड एक तरह का पेस्टीसाइड है। अगर मानव इसका सेवन करता है तो उन्हें कैंसर होने की संभावना अधिक होती है।

पेस्टिसाइड रेसिड्यू इन फूड रेगुलेशन के अनुसार मानव को कीटनाशक अवशेषों वाले भोजन तभी बेचे जा सकते हैं जब वह उनके सेहत के लिए हानिकारक न हो। अगर वह मानव के लिए हानिकारक होने वाले पेस्टीसाइड बेचते हैं और पकड़े जाते हैं तो उन्हें 50,000 डॉलर का जुर्माना और 6 महीने की कैद हो सकती है।

वर्ष 2023 में भी अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) ने भारतीय मसाला ब्रांड एवरेस्ट के प्रोडक्ट को हटाने का आदेश दिया था।

महंगा हुआ जोमैटो से खाना मंगाना, 25 प्रतिशत बढ़ा प्लेटफॉर्म चार्ज; यह सर्विस भी हुई बंद

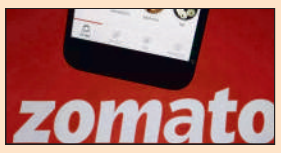

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो ने प्लेटफॉर्म चार्ज 25 प्रतिशत बढ़ा दिया है। इसका मतलब है कि अब जोमैटो से खाना मंगाना थोड़ा महंगा पड़ेगा।

जोमैटो के प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि अब ग्राहकों को हर ऑर्डर पर चार के बजाय पांच रुपये प्लेटफॉर्म चार्ज के रूप में देने होंगे। यह बढ़ोतरी शनिवार (20 अप्रैल) से लागू भी हो गई है।

दीपिंदर गोयल की कंपनी जोमैटो सालाना लगभग 85-90 करोड़ ऑर्डर डिलीवर करता है। इस हिसाब से प्लेटफॉर्म फीस 1 रुपया प्रति ऑर्डर बढ़ाने से जोमैटो के EBITDA में सालाना 85 से 90 करोड़ रुपये का इजाफा होने का अनुमान है।

जोमैटो ने अपनी 'इंटरसिटी लीजेंड्स' सर्विस को भी बंद कर दिया है। कंपनी इंटरसिटी फूड डिलीवरी सर्विस के जरिए प्रमुख शहरों के बड़े रेस्टोरेंट्स से दूसरे शहरों के ग्राहकों तक ऑर्डर डिलीवर करती थी।

निवेशकों को खूब पसंद आया देश का सबसे बड़ा FPO, आखिरी दिन इतना गुना हुआ सब्सक्राइब

Vodafone Idea FPO टेलीकॉम ऑपरेटर वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (Vodafone Idea Ltds) की वित्तीय स्थिति काफी खराब है। कंपनी कर्ड में डूबी है। कर्ज से निपटने के लिए कंपनी ने 18000 करोड़ रुपये की फॉलो–ऑन ऑफरिंग (एफपीओ) पेश की थी। आज कंपनी के एफपीओ को सब्सक्राइब करने का आखिरी दिन है। सोमवार को वोडाफोन आइडिया का एफपीओ 3.3 गुना से अधिक सब्सक्राइब किया गया।

नई दिल्ली। टेलीकॉम ऑपरेटर वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (Vodafone Idea Ltd's) कर्ज से डूब गई है। कर्ज से मुक्ति पाने के लिए कंपनी ने 18,000 करोड़ रुपये की फॉलो-ऑन ऑफरिंग (FPO) पेश किया था। इसमें कंपनी ने शेयर 10-11 रुपये के प्राइस बैंड निर्धारित किया था।

22 अप्रैल 2024 को इस एफपीओ का आखिरी दिन था। निवेशकों को कंपनी का एफपीओ काफी पसंद आ रहा है। इस एफपीओ में अधिकतम संस्थागत निवेशकों ने पैसे लगाए हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार सोमवार को वोडाफोन आइडिया का एफपीओ 3.3 गुना से अधिक सब्सक्राइब किया गया।

स्टॉक एक्सचेंजों की जानकारी के अनुसार एफपीओ के आखिरी दिन 2.30 बजे 1,260 करोड़ के इश्यू आकार के मुकाबले 4,212.56 करोड़ शेयर मांगे गए थे। वैसे फाइल नंबर मार्केट बंद होने के बाद पता चलेंगे।

योग्य संस्थागत खरीदारों (Qualified institutional buyers) ने आरक्षित 360 करोड़ शेयरों में से 8.71 गुना शेयरों की मांग की। वहीं, गैर-संस्थागत निवेशकों ने निर्धारित 270 करोड़ शेयरों में से 2.7 गुना शेयरों के लिए बोली लगाई।

वोडाफोन आइडिया के शेयरों में सबसे बड़ी हिस्सेदारी खुदरा निवेशकों की थी। रिटेल इन्वेस्टर ने 630 करोड़ शेयरों में से केवल 56 प्रतिशत ही खरीदे गए। कंपनी के शेयर आज दोपहर बीएसई पर शेयर के 12.44 रुपये के ट्रेडिंग मूल्य से कम है।

कंपनी ने इतने शेयर बेचे

वोडाफोन आइडिया ने पिछले हफ्ते पहले संस्थागत निवेशकों को 5,400 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। एंकर बुक आवंटन के दौरान निवेश फर्म जीक्यूजी और फिडेलिटी ने अधिकांश शेयर खरीदे।

वोडाफोन आइडिया का एफपीओ अब तक का सबसे बड़ा है। इससे पहले, भारतीय बाजार में सबसे बड़ा एफपीओ 2020 में यस बैंक द्वारा 15,000 करोड़ रुपये की शेयर बिक्री थी।

"पर्यावरण पाठशाला : कबूतरों को अत्यधिक भोजन देने के खतरे: अंकुर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। कबूतरों को खाना खिलाना एक हानिरहित गतिविधि की तरह लग सकता है, लेकिन इसके परिणाम साधारण पक्षी अवलोकन से कहीं आगे तक जाते हैं। जबकि यह अधिनियम अपने आप में सड़क सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करता है, ड्राइवरों और पैदल चलने वालों का ध्यान भटक जाता है, सड़क के किनारे स्थानों पर कबूतरों को खाना खिलाने के खतरनाक प्रभावों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

तात्कालिक सुरक्षा चिंताओं से परे, कबूतरों को जरूरत से ज्यादा खाना खिलाने से उनकी बीट संकेंद्रित क्षेत्रों में जमा हो जाती है, जिससे बीमारी के लिए प्रजनन स्थल बन जाता है। कबूतर की बीट में क्रिप्टोकॉकोसिस, हिस्टोप्लाज्मोसिस और सिटाकोसिस सहित कई रोगजनक होते हैं, जो सभी मनुष्यों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं।

हिस्टोप्लाज्मोसिस, एक श्वसन रोग, कबूतरों की बीट को साफ करते समय बने धूल के कणों को सांस के माध्यम से अंदर लेने से हो सकता है। इसी तरह, क्रिप्टोकॉकोसिस केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है और अगर इलाज न किया जाए तो गंभीर जटिलताएं हो सकती हैं। कबूतर की बीट से जुड़ी अन्य बीमारियों में कैंडिडिआसिस, सेंट लुइस एन्सेफलाइटिस, साल्मोनेलोसिस और विभिन्न संक्रमण शामिल हैं।

इसके अलावा, घरेलू और जंगली कबूतर दोनों ही इन खतरनाक एजेंटों के वाहक के रूप में काम करते हैं, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा और बढ़ जाता है। कबूतरों द्वारा ले जाए गए एक्टोपारासाइट्स भी मनुष्यों को परेशान कर सकते हैं, जो पहले से ही खतरनाक स्थिति में चिंता की एक और परत जोड़ देते हैं।

इन जोखिमों को कम करने के लिए, सड़क किनारे इलाकों में कबूतरों को जरूरत से ज्यादा खाना खिलाने को हतोत्साहित करके मूल कारण का समाधान करना महत्वपूर्ण है। नियमों और जन जागरूकता अभियानों को लागू करने से व्यक्तियों को इस प्रतीत होने वाली अहानिकर गतिविधि से जुड़े खतरों के बारे में शिक्षित करने में मदद मिल सकती है। इसके अतिरिक्त, कबूतरों की बीट के संचय को कम करने और बीमारी के प्रसार को कम करने के लिए उचित अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियों को नियोजित किया जाना चाहिए।

हालांकि कबूतरों को दाना डालना हानिरहित लग सकता है, लेकिन अधिक मात्रा में किए जाने पर यह महत्वपूर्ण सड़क सुरक्षा संबंधी समस्याएं और स्वास्थ्य संबंधी खतरे पैदा करता है, खासकर सड़क के किनारे वाले स्थानों पर। अत्यधिक भोजन को हतोत्साहित करने और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को लागू करने के लिए सक्रिय उपाय करके, समुदाय अपने निवासियों और पर्यावरण दोनों को कबूतरों

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी 24 अप्रैल को भीलवाड़ा शहर में करेगी रोड शो

लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में शहर के मुख्य बाजारों में होगा सघन जनसंपर्क

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी 24 अप्रैल को भीलवाड़ा विधानसभा अंतर्गत शहर के मुख्य बाजारों में रोड शो कर भाजपा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में सघन जनसंपर्क द्वारा भाजपा के पक्ष में मतदान के साथ भीलवाड़ा लोकसभा सीट पर भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने की अपील करेंगी। इस अवसर पर लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल भी उनके साथ रहेंगे।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि रोड शो एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में सांसद, जिलाध्यक्ष, विधायक, पूर्व विधायक, नगर परिषद सभापति, विधानसभा प्रभारी, संयोजक भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का रोड शो एवं जनसंपर्क कार्यक्रम 24 अप्रैल बुधवार को प्रातः 9:00 बजे दूधाधारी गोपाल मंदिर, सांगानेरी गेट से प्रारंभ होकर शहीद चौक, धानमंडी, बड़ा मंदिर, सर्राफा बाजार, गुलमंडी, भोपाल क्लब चौराहा, नया बाजार, सुभाष मार्केट, गोल प्याऊ चौराहा, सदर बाजार होते हुए रेलवे स्टेशन चौराहा स्थित अंबेडकर सर्किल पर संपन्न होगा।भारतीय जनता पार्टी के प्रताप मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह जादौन, शास्त्री मंडल अध्यक्ष पीयूष डाड, गणेश मंडल अध्यक्ष घनश्याम सिंगीवाल, सुभाष मंडल अध्यक्ष मनीष पालीवाल ने ज्यादा से ज्यादा संख्या में शहरवासियों से रोड शो एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम में भीलवाड़ा शहर के समस्त जनप्रतिनिधि, पूर्व जनप्रतिनिधि, जिला एवं मंडल के वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ पदाधिकारी, पार्षद एवं पूर्व पार्षद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं शहर के गणमान्य नागरिक एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित रहेंगे।

नरिंदर बहल को शिरोमणि अकाली दल सेंटर कांस्टीट्यूएंसी का प्रभारी नियुक्त किया गया, व्यापार उद्योग ने गर्मजोशी से नरिंदर बहल स्वागत किया

अमृतसर (साहिल बेरी) शिरोमणि अकाली दल को आज अमृतसर सिटी सेंटर कांस्टीट्यूएंसी से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली जब सरदार सुखबीर सिंह जी बादल अध्यक्ष शिरोमणि अकाली दल सरदार बिक्रम सिंह मजीठिया श्री अनिल जोशी जी उम्मीदवार शिरोमणि अकाली दल लोकसभा श्री अमृतसर ने श्री नरेंद्र बहल जी को अध्यक्ष आरती एसोसिएशन अमृतसर नियुक्त किया जो लंबे समय से शिरोमणि अकाली दल की सेवा कर रहे थे, केंद्र निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी और उद्योग समन्वयक और सलाहकार राजिंदर सिंह मरवाहा , हरपाल सिंह अहलूवालिया राजीव दुग्गल अध्यक्ष व्यापार एवं उद्योग अमृतसर मनदीप सिंह जी पवन शर्मा महासचिव, गुरप्रीत सिंह नारंग विने बयाला बॉबी जी और अन्य ने नरेंद्र बैल जी को नियुक्त और सम्मानित किया इस अवसर पर राजिंदर सिंह मरवाहा समन्वयक व्यापार उद्योग और हरपाल सिंह अहलूवालिया ने संयुक्त रूप से कहा कि नरेंद्र बहल-श्री अनिल जोशी को सेंटर कांस्टीट्यूएंसी लोकसभा चुनाव में बड़ी बढ़त मिलेगी।

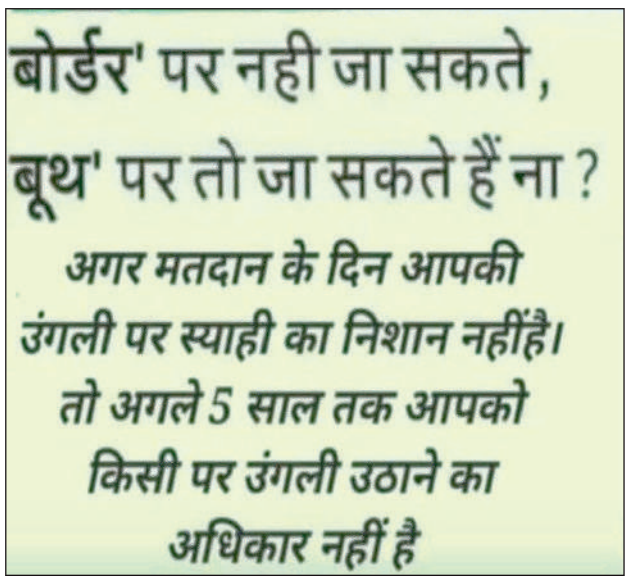

81 दिन के लिए बंद हुए बैंड-बाजा-बारात, जाने क्यों

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। देश में 21 अप्रैल से शादियों पर ब्रेक लग गया है और 10 जुलाई तक शादियां बंद रहेंगी यानि अगले 81 दिन शादियों के लिए कोई शुभ मुहूर्त नहीं है। 24 अप्रैल को शुक्र मेष राशि में प्रवेश करेंगे, यहां पहले से ही सूर्य का गोचर हो रहा है और मेष राशि में प्रवेश करते ही शुक्र अस्त हो जाएंगे लेकिन शुक्र के अस्त होने से 3 दिन पहले 21 अप्रैल से ही शुक्र-बाल्यत्व दोष से घिर जाएंगे शुक्र 7 जुलाई तक अस्त रहेंगे और 7 जुलाई को उदय होने के बाद 10 जुलाई तक बाल्यत्व दोष के दायरे में रहेंगे लिहाजा देश में 11 जुलाई से शादियों का सीजन शुरू होगा। इस बीच 6 मई को गुरु भी वृषभ राशि में अस्त होंगे और 4 जून को उदय होंगे। यह दोनों ही ग्रह मांगलिक कार्यों के लिए शुभ होते हैं और यदि दोनों ग्रह अस्त हों तो मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। शुक्र के अस्त होने का विचार खास तौर पर शादी के लिए किया जाता है क्योंकि शुक्र को ही ज्योतिष में शादी का कारक ग्रह माना जाता है। यदि शुक्र के अस्त होने की स्थिति में शादी कर ली जाए तो वैवाहिक जीवन में परेशानी पेश आती है, लिहाजा शुक्र के अस्त होने के समय देश भर में हिंदु समाज में शादियां वर्जित होती हैं। देश में शादियों का सीजन ठप्प होने के कारण अब अगले अढ़ाई महीने तक कपड़े और ज्वैलरी के कारोबार के अलावा होटल कारोबार पर भी इसका असर साफ नजर आएगा।

नवम्बर महीने में होंगी सबसे ज्यादा शादियां शुक्र के उदय होने के बाद इस साल में विवाह मुहूर्त 11 जुलाई को होगा, जबकि साल का आखिरी शुभ मुहूर्त 11 दिसम्बर का रहेगा। इस बीच नवम्बर महीने में शादी के सबसे ज्यादा मुहुर्त निकल रहे हैं। नवम्बर में 15 दिन, अगस्त में 12, जुलाई और अक्तबर में 10-10 और सितम्बर में शादियों के 9 मुहूर्त हैं। इस साल में 18 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक पितृ पक्ष होने के कारण विवाह शादियों जैसे मांगलिक कार्य बंद रहेंगे और फिर से 2 अक्तूबर को पितृ पक्ष खत्म होने के बाद शुरू होंगे।

भारतीय पेंशनर्स मंच ने रेल भाड़े में सीनियर सिटीजन को मिले फिर छूट,पेंशन हो आयकर मुक्त,मंच की मांग

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। भारतीय पेंशनर मंच के 7वें स्थापना दिवस के मौके पर अयोध्या के परिक्रमा, मार्ग स्थित वासुदेव घाट भवन में आयोजित मंच के अधिवेशन में भारत सरकार समेत, तमाम राज्य सरकार से रिटायर्ड सैंकडों पेंशनर्स प्रतिनिधियों ने शिरकत की। मंच के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद पाराशर, गौतम भवानी ने बताया कि अधिवेशन का उद्घाटन हनुमान गढी के महंत स्वामी मुरलीधर ने भारत माता को माल्यार्पण कर किया गया। इस मौके पर बतौर चीफ गेस्ट के निष्काम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रामचरण दास भी उपस्थित थे। मंच प्रवक्ता विनोद पाराशर ने बताया कि भारतीय पेंशनर्स मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र एस यादव ने सैंकड़ो की संख्या में मौजूद यूनियन प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि मंच अपनी स्थापना के समय से ही पेंशन धारियों के मुद्दो को लेकर संघर्ष रत है। यूनियन मंच से भारत सरकार के समक्ष अपनी मांगों को उठाता रहा है। पेंशनभोगियों की मुख्य मांगों में पेंशन को आयकर से मुक्त करना, सीनियर सिटिजन को रेल किराए में मिल रही छूट को खत्म करने वाले आदेश को अविलंब वापस लेना, वहीं कोरोना काल के दौरान पेंशनधारियों के 18 महीने के मंहगाई राहत को फ्रीज करने वाले आदेश को वापिस लेना शामिल है। मंच के प्रवक्ता के मुताबिक अधिवेशन में यूनियन के कर्मठ कार्यकर्ताओ, जिनमें सतीश चंद राय, प्रमोद कुमार, भास्कर दांते को पेंशन रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। अधिवेशन में जुटे तमाम प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों को लेकर जुलूस भी निकाला।

याद रखें: चार्ली चैपलिन का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया

उन्होंने हमें 4 कथन छोड़े:

(1) इस दुनिया में कुछ भी शाश्वत नहीं है, यहाँ तक कि हमारी समस्याएँ भी नहीं।

(2) मुझे बारिश में चलना पसंद है, क्योंकि कोई भी मेरे आँसू नहीं देख सकता।

(3) जीवन का सबसे बर्बाद दिन वह होता है जब हम हँसते नहीं हैं।

(4) दुनिया के छह सबसे अच्छे डॉक्टर...

1. धूप,
2. आराम,
3. व्यायाम,
4. आहार,
5. आत्म-सम्मान
6. दोस्त।

उन्हें अपने जीवन के सभी चरणों में रखें और स्वस्थ जीवन का आनंद लें...

यदि आप चाँद को देखते हैं तो आपको ईश्वर की सुंदरता दिखाई देगी.....

यदि आप सूर्य को देखते हैं तो आपको ईश्वर की शक्ति दिखाई देगी...

यदि आप दर्पण में देखते हैं, तो आपको ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचना दिखाई देगी।

तो फिर इस पर विश्वास करें।

हम सभी पर्यटक हैं, ईश्वर हमारे ट्रैवल एजेंट हैं जिन्होंने पहले से bही हमारी यात्रा कार्यक्रम, बुकिंग और गंतव्य बना रखे हैं...

उन पर विश्वास करें और जीवन का आनंद लें।

जीवन बस एक यात्रा है!

डॉ. मरवाहा फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन, फिजियोथेरेपी आज की जरूरत है - डॉ. मनजोत सिंह

अमृतसर (साहिल बेरी) अमृतसर के गार्डन एन्क्लेव में डॉ. मरवाहा फिजियोथेरेपी क्लिनिक का उद्घाटन किया गया, जिसमें अमृतसर के विभिन्न डॉक्टर भाग ले रहे हैं, डॉ. मरवाहा ने कहा फिजियोथेरेपी चिकित्सा क्षेत्र की एक बहुत ही उन्नत शाखा है जिसमें बिना किसी दवा के मरीज का सफलतापूर्वक इलाज किया जाता है। थेरेपी ट्रैक्शन थेरेपी और विभिन्न व्यायाम प्रोटोकॉल वर्ल्ड सिख चैंबर के अध्यक्ष ऑफ कॉमर्स अमृतसर सरदार राजिंदर सिंह मरवाहा जी ने कहा कि यह केंद्र अमृतसर का पहला डिजिटल और उन्नत फिजियोथेरेपी केंद्र है जिसमें मरीजों का इलाज इलेक्ट्रोथेरेपी और व्यायाम थेरेपी से किया जाता है। गुरशरण सिंह नारंग, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. अमरजीत सिंह सचदेवा व डॉ. प्रभजोत सिंह, फिल्म अभिनेता जसपाल भट्टी , मैडम जसविंदर सोहल, डॉक्टर अंग्रेज सिंह, मैडम वीना , जतिंदर कौर विशेष रूप से शामिल हुए।

ग्रेजुएशन के छात्र अब पीएचडी के लिए करें अप्लाई

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

चार साल का ग्रेजुएशन कोर्स करने के बाद छात्र अब नेट एग्जाम देकर PHD(पीएचडी) के लिए अप्लाई कर सकते हैं। लेकिन उनके पास पास % प्रतिशत मार्क्स के साथ आनर्स की डिग्री होना अनिवार्य है।

यूनिवर्सिटीज ग्रांट कमिश्नर (यूजीसी) के चेयरमैन एम.जगदीश कुमार ने हाल ही में यह जानकारी दी है कि 75 %प्रतिशत अंको के साथ चार साल का ग्रेजुएशन कोर्स कर चुके छात्र यूजीसी नेट या पीएचडी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यूजीसी स्नातक के छात्रों के लिए यह सुविधा नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए साल 2022 से लेकर आया था। लेकिन इसको लेकर कई मानदंड तय किए गए हैं।अगर आप पीएचडी करने की सोच रहे हैं तो यूजीसी के इस फैसले को ध्यान से गौर करना चाहिए। यूजीसी के मुताबिक चार साल के ग्रेजुएशन कोर्स कर रहे छात्र नेट एग्जाम देकर पीएचडी के लिए अप्लाई कर सकते हैं।हालांकि छात्रों के पास ऑनर्स की डिग्री में 75 % प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। अनुसूचित जाति(एससी) अनुसूचित जनजाती,(एसटी) ,अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीएस) दिव्यांग ,आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के लिए 5 % प्रतिशत अंक या इसके समकक्ष ग्रेड की छूट दी जाएगी।इससे पहले पीएचडी के लिए 3 साल का ग्रेजुएशन और कम से कम 55 % प्रतिशत अंक के साथ मास्टर्स डिग्री की जरूरत होती है। लेकिन अब 75 % प्रतिशत अंकों के साथ ऑनर्स की डिग्री से पीएचडी कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि साल 2022 में यूजीसी ने (पीएचडी) डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम मानक और प्रक्रियाए विनियम-2022 के तहत 4 साल के अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम (एफवाईयूपी) को लॉन्च किया था। इस प्रोग्राम में छात्र 3 की जगह 4 साल का ग्रेजुएशन कोर्स कर सकते है।4साल के इस ग्रेजुएशन कोर्स को ऑनर्स डिग्री कहा जाएगा। यूजीसी के मुताबिक जो छात्र 3 साल में ग्रेजुएशन करना चाहते हैं उन्हें 120 क्रेडिट (अकादमिक घंटों की संख्या के माध्यम से मापा जाता है। जबकि 4साल में 160 क्रेडिट हासिल करने होगे। छात्र ग्रेजुएशन में कौन सा कोर्स करेगें? यह छात्रों पर निर्भर करेगा।यह पूरी तरह ऑप्शनल है। उल्लेखनीय है कि यूजीसी नेट एग्जाम में विषय चुनने का आप्शन दिया है।स्टूडेंट्स को किसी भी सब्जेक्ट के लिए नेट एग्जाम देने की अनुमति होगी। चाहे ग्रेजुएशन में किसी दूसरे स्ट्रीम की पढाई की हो। इसका मतलब है कि ग्रेजुएशन में पढे सब्जेक्ट में ही नेट एग्जाम देना जरूरी नहीं होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023